Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 114 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, गुरूवार 12 मार्च 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

लैंडिंग के दौरान रनवे पर टूटा एयर इंडिया के विमान का पहिया, 133 यात्रियों की अटकी सांसें

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक फ्लाइट बुधवार को थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी का शिकार हो गई। विमान के रनवे पर उतरते समय उसका नोज गियर टूट गया, जिससे कुछ समय के लिए रनवे को बंद करना पड़ा। हालांकि राहत की बात यह रही कि विमान में सवार सभी 133 यात्री सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

जानकारी के अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस का बोइंग 737 मैक्स-8 विमान हैदराबाद से उड़ान भरकर फुकेट पहुंचा था। विमान जैसे ही रनवे पर उतरा, लैंडिंग के दौरान जोरदार झटके के कारण उसका नोज व्हील अलग हो गया और आगे का लैंडिंग गियर क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना के बाद एयरपोर्ट अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर कुछ समय के लिए रनवे बंद कर दिया, जिससे कई अन्य उड़ानें भी प्रभावित हुईं।

घटना के तुरंत बाद इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू किया गया और विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बयान जारी कर कहा कि फ्लाइट के क्रू ने सभी मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए यात्रियों को सुरक्षित उतार दिया। घटना के बाद विमान रनवे पर ही खड़ा रहा और एयरपोर्ट प्रशासन ने जांच प्रक्रिया शुरू कर दी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) भी इस घटना का संज्ञान ले सकता है, क्योंकि यह भारतीय एयरलाइन की उड़ान से जुड़ा मामला है। उल्लेखनीय है कि बोइंग 737 मैक्स-8 विमान पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी मुद्दों को लेकर चर्चा में रहा है। ऐसे में इस घटना की विस्तृत जांच होने की संभावना है। वहीं सोशल मीडिया पर भी विमान की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें नोज गियर क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहा है।

कोलकाता में पीएम मोदी की रैली से पहले सुरक्षा को लेकर एसपीजी सख्त

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 मार्च को होने वाली प्रस्तावित मेगा रैली से पहले कोलकाता का ब्रिगेड परेड ग्राउंड सुरक्षा के लिहाज से एक किले में तब्दील हो गया है। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए रैली के लिए बने मुख्य स्टेज को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। यह कदम प्रधानमंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी के जरिए स्टेज के नीचे की मिट्टी की सतह की गहराई से जांच करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सुरक्षा कारणों से मिट्टी की जांच पर जोर

मंगलवार दोपहर को स्क्व्न के उच्च अधिकारियों ने रैली स्थल का दौरा किया और जमीन के नीचे किसी भी संभावित खतरे को भांपने के लिए विस्तृत स्कैनिंग की जरूरत बताई। पिछले तीन दिनों से भाजपा नेता राजू बंद्योपाध्याय की देखरेख में एक विशाल हैंगर स्ट्रक्चर के भीतर मुख्य मंच तैयार किया गया था। अब सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत इस पूरे ढांचे के नीचे की जमीन की जांच की जाएगी। हालांकि, भाजपा आयोजकों के लिए समय एक बड़ी चुनौती है, लेकिन उनका मानना है कि बैरिकेड्स और साउंड सिस्टम जैसे अन्य प्रबंध पूरे हो चुके हैं, जिससे जांच के बाद स्टेज को फिर से तैयार किया जा सकता है।

राहुल गांधी 'लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा', सदन के नियम तोड़ते हैं : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष (एलओपी) के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें 'लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा' बताया।

अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेशों में भारत और भारतीय लोकतंत्र की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं और सदन के नियमों का भी पालन नहीं करते। सदन में बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, कुछ लोग इस सदन में माइनस ट्रिपल सी के साथ आते हैं- न सिविक सेंस, न कॉमन सेंस और न ही कॉन्स्टिट्यूशनल सेंस। जब हम लोकसभा के सदस्य बने थे, तब हमें बताया गया था कि सदन के अंदर कैसे व्यवहार करना चाहिए। लेकिन एक व्यक्ति है जो इन सभी नियमों को तोड़ता है, और वह है प्रोपेगेंडा का लीडर। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्हें 'फोमो गांधी' भी कहा। अनुराग ठाकुर ने कहा, यह फोमो गांधी हैं। इन्हें डर रहता है कि कहीं वे सुर्खियों से बाहर न हो जाएं।

अनुराग ठाकुर ने यह बयान उस दौरान दिया जब वे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव के खिलाफ बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सदन के लगभग सभी दलों के सांसदों ने ओम बिरला के कार्यों की सराहना की है। उन्होंने कहा, ओम बिरला इस सदन के प्रधान हैं और वे बने रहेंगे। हर पार्टी के सदस्य ने उनके पक्ष में बात कही है। भाजपा सांसद ने आगे कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला ने सभी दलों को बराबर बोलने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा, चाहे कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, ओम बिरला ने सभी को बोलने का मौका दिया। यहां तक कि जिन सांसदों को अपनी ही पार्टी से कम अवसर मिला, उन्हें भी ओम बिरला ने बोलने का मौका दिया।

माता-पिता ने लगाई थी गुहार

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत दी: 13 साल से कोमा में है बेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश राणा 13 साल से कोमा में हैं। वे पंजाब यूनिवर्सिटी के हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफसपोर्ट सिस्टम पर हैं।

देश में इस तरह का यह पहला मामला है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एम्स को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह प्रोसेस इस तरह से की जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे।

पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफसपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके।

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया।

हरीश अपनी मां निर्मला राणा के साथ। परिवार ने बताया कि बेटे के इलाज के लिए अपनी संपत्ति तक बेच दी, लेकिन अब आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। बेटे की तकलीफ भी नहीं देखी जाती।

हरीश अपनी मां निर्मला राणा के साथ। परिवार ने बताया कि बेटे के इलाज के लिए अपनी संपत्ति तक बेच दी, लेकिन अब आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। बेटे की तकलीफ भी नहीं देखी जाती।

फैसले पर पिता अशोक ने कहा- हम इसके लिए लंबे समय से लड़ रहे थे। कौन से माता-पिता अपने बेटे के लिए ऐसा चाहेंगे। पिछले 3 साल से हम यह मामला लड़ रहे थे। अब उसे एम्स ले जाया जाएगा। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में टॉपर हुआ करता था।

दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते हैं और न ही महसूस कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में शेक्सपीयर का जिक्र किया

डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए हैं। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक है। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया है। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर कई साल से इतना खर्च हो चुका है कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका है। जस्टिस पारदीवाला ने फैसला सुनाते वक्त अमेरिकी धर्मगुरु हेनरी वार्ड बीचर के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, 'ईश्वर मनुष्य से यह नहीं पूछते कि वह जीवन स्वीकार करता है या नहीं, उसे जीवन लेना ही पड़ता है।' उन्होंने विलियम शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक हेलमेट की पंक्ति **To be or not to be** का भी जिक्र करते हुए कहा कि अदालतों को कई बार इसी तरह के प्रश्नों के संदर्भ में मरने के अधिकार पर विचार करना पड़ता है। यह हस्तक्षेप चिकित्सा उपचार की श्रेणी में आता हो। यह मरीज के सर्वोत्तम हित में हो। अदालत ने यह भी कहा कि डॉक्टर का कर्तव्य मरीज का इलाज करना है, लेकिन जब मरीज के ठीक होने की कोई संभावना न हो, तो यह कर्तव्य उसी रूप में कायम नहीं रहता।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अपमान पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लिखा ममता बनर्जी को कड़ा पत्र

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी को कड़ा पत्र लिखकर भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के साथ हाल ही में हुए व्यवहार पर गहरी आपत्ति जताई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि जनजातीय समाज से आने वाली देश की प्रथम महिला राष्ट्रपति के साथ किया गया यह व्यवहार केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था, आदिवासी समाज और मातृशक्ति का अपमान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पत्र में कहा है कि भारत की लोकतांत्रिक परंपराएं और शिष्टाचार पूरी दुनिया में सम्मानित रहे हैं। मतभेद को कभी भी मनभेद में न बदलने की हमारी संस्कृति रही है, लेकिन राष्ट्रपति जैसे सर्वोच्च संवैधानिक पद के प्रति न्यूनतम शिष्टाचार का भी पालन न किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से ठीक पहले एक जनजातीय समाज से आने वाली महिला राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं में लापरवाही और उनका अपमान किया जाना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह घटना देश के करोड़ों आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों और मातृशक्ति की भावनाओं को गहराई से आहत करने वाली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पत्र में यह भी कहा कि यह पहली बार हुआ है जब किसी राज्य सरकार के व्यवहार को लेकर स्वयं राष्ट्रपति जी को अपनी पीड़ा सार्वजनिक करनी पड़ी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मार्च को जारी करेंगे पीएम किसान की 22वीं किस्त

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 13 मार्च 2026 को गुवाहाटी (असम) से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत देश के 9.32 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में सीधे 18,640 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज यह जानकारी देते हुए इसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के प्रति केंद्र सरकार की अटूट प्रतिबद्धता और 'अन्नदाता सम्मान' की संकल्पबद्ध पहल बताया।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फरवरी 2019 में योजना शुरू होने के बाद से अब तक पीएम किसान के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों के खातों में 4.09 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे भेजी जा चुकी है और 22वीं किस्त जारी होने के साथ ही कुल हस्तांतरित राशि 4.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार छोटे और सीमांत किसानों को सीधे आय समर्थन देकर कृषि क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और स्थायी परिवर्तन की नींव रखी है। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने बताया कि पीएम किसान योजना के तहत हर पात्र किसान परिवार को साल में 6,000 रुपये की वित्तीय सहायता तीन समान किस्तों में दी जाती है और यह राशि पूरी तरह डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में सीधे पहुंचती है। श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि समय पर मिलने वाली यह सहायता किसानों को बीज, खाद, कीटनाशक जैसी कृषि सामग्री खरीदने में मदद करती है। साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक घरेलू जरूरतों को पूरा करने में भी सहारा देती है। श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों, विशेषकर महिला किसानों को सशक्त बनाने की दृष्टि को रेखांकित करते हुए कहा कि केवल 22वीं किस्त में ही 2.15 करोड़ से अधिक महिला किसान लाभार्थियों को वित्तीय सहायता प्राप्त होगी जिससे ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और गांवों में महिला सशक्तिकरण को नई गति मिलेगी।

भारत की बुझती रसोई को मिला इस देश का सहारा, गैस संकट के बीच दिया अब तक का सबसे बड़ा ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच छिड़े भीषण युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में तहलका मचा दिया है। कतर से होने वाली गैस सप्लाई बाधित होने के बाद भारत में भी एलपीजी और नैचुरल गैस की किल्लत की आहट सुनाई देने लगी है। इस नाजुक मोड़ पर भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। 'एनर्जी सुपरपावर' कनाडा ने भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी एलएनजी (स्व्हत्न) और महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार खोलने का प्रस्ताव दिया है।

कतर संकट और कनाडा का मास्टरस्ट्रोक

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण कतर से होने वाली सप्लाई चेन पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे गैस की कीमतों में भारी उछाल आया है। बुधवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक वीडियो साझा करते हुए भारत को एक भरोसेमंद साझेदारी का भरोसा दिया। कार्नी ने कहा कि कनाडा दुनिया की सबसे कम कार्बन उत्सर्जन वाली और सुरक्षित लिक्विफाइड नेचुरल गैस (स्व्हत्न) सप्लाई करने में सक्षम है, जो भारत के हीटिंग, बिजली उत्पादन और औद्योगिक कार्यों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी।

108 माओवादी कैडरों ने किया आत्मसमर्पण, करोड़ों की नगदी और हथियार बरामद

बस्तर में बड़ी सफलता

जगदलपुर (समय दर्शन)। बस्तर संभाग में नक्सल विरोधी अभियान के तहत एक बड़ी सफलता सामने आई है। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े 108 माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। इनमें 44 महिला माओवादी कैडर भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले इन कैडरों पर कुल 3.29 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था।

शौर्य भवन में आयोजित हुआ आत्मसमर्पण कार्यक्रम

जगदलपुर के लालबाग स्थित शौर्य भवन, पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में इन माओवादियों ने औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद, बीएसएफ के एडीजी सिवांग नामग्याल, बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी., सीआरपीएफ और अन्य केंद्रीय बलों के वरिष्ठ अधिकारी, बस्तर संभाग के सातों जिलों के पुलिस अधीक्षक तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। सुरक्षा बलों को आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों से मिली जानकारी और खुफिया इनपुट के आधार पर विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए माओवादी डंप से 3 करोड़ 61 लाख रुपये नकद और लगभग 1 किलो सोना बरामद किया गया। सोने की कीमत करीब 1.64 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

सुरक्षा बलों ने कार्रवाई के दौरान ्रद्य-47, द्बह्यस्, स्ल्न, स्क्र और ब्लरु लांचर सहित कुल 101 हथियार भी बरामद किए हैं। बरामद हथियारों में ्रद्य-47, 10 द्बह्यस् राइफल, 5 स्क्र, 4 स्ल्न, 20 .303 राइफल, 25 बारह बोर राइफल और 11 ब्लरु लांचर समेत अन्य हथियार शामिल हैं।

जिला-वार कार्रवाई में नारायणपुर से 49, बस्तर से 24, सुकमा से 12, बीजापुर से 9, दंतेवाड़ा से 5 और कांकेर से 2 हथियार बरामद किए गए। इन सभी हथियारों को कार्यक्रम के दौरान जगदलपुर में प्रदर्शित किया गया।

आत्मसमर्पण करने वालों में माओवादी संगठन के कई अहम पदाधिकारी भी शामिल हैं। इनमें डिवीजनल कमेटी सदस्य, क्क्व कंपनी कमांडर, प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य, एरिया कमेटी सदस्य और पार्टी सदस्य शामिल हैं। राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के तहत इन माओवादियों को आर्थिक सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास, शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। प्रशासन का कहना है कि जो भी नक्सली हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

जंबूरी पर हंगामा, विपक्ष का वाक आउट

एक टेंडर निरस्त कर क्यों बुलाए दूसरा...

समय दर्शन

रायपुर। विधानसभा में आज बालोद जिले में जनवरी माह में हुई जंबूरी का मामला गरमाया रहा। जंबूरी आयोजन के लिए एक टेंडर निरस्त करते हुए दूसरा टेंडर बुलाए जाने पर विपक्ष ने कई सवाल खड़े किए। यह भी सवाल खड़ा हुआ कि प्रदेश स्तरीय जंबूरी समिति का अध्यक्ष कौन पूर्व मंत्री जो कि वर्तमान में सांसद हैं वह, या फिर स्वयं स्कूली शिक्षा मंत्री? बहस के दौरान दो-तीन ऐसे भी मौके आए जब विपक्ष व सत्ता पक्ष के विधायक आपस में जमकर उलझे। स्कूली शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के जवाबों से असंतुष्ट होकर सारे विपक्षी विधायक सदन से वाक आउट कर गए।

प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक उमेश पटेल का सवाल था कि बालोद में हुए स्काउट गाइड के रोवर रेंजर जंबूरी कार्यक्रम में किस-किस कार्य के लिए कितना-कितना खर्च किया गया? कौन सी फर्म को कितने का टेंडर दिया गया? क्या शर्त तय करने के लिए समिति बनी थी ? क्या चहेतों को लाभ दिलाने के लिए टेन्डर बदलने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई हैं? स्कूली शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की तरफसे जवाब आया कि बालोद जिले में हुए स्काउट गाइड के रोवर रेंजर जंबूरी कार्यक्रम में क्रीड़ांगन (एरीना निर्माण), शौचालय निर्माण, जल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, आवास टेंट, कार्यक्रम डोम, बेरिकेट, भोजनालय एवं प्रिंटिंग आदि कार्यों के लिये दो करोड़ खर्च किया गया। जंबूरी कार्य के लिए मेसर्स अमर भारत किराया भण्डार रायपुर को 5 करोड़ 18 लाख 88 हजार 860 रूपये का टेंडर दिया गया था। शर्त तय करने के लिए समिति का गठन किया गया था। इस कार्य हेतु किसी भी फर्म को लाभ दिलाने के लिए टेंडर बदलने संबंधी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

जंबूरी पर सदन में जो लंबी बहस चली वह कुछ इस तरह रही...

उमेश पटेल- जंबूरी के लिए निविदा कितनी बार लगी? कब लगी? यदि उसे निरस्त किया गया तो उसके पीछे क्या कारण है?

गजेन्द्र यादव- जंबूरी राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम था। पहला टेंजर रद्द हो गया था। पहली बार जब टेंडर जारी हुआ तो बहुत से लोगों ने शासन एवं प्रशासन से मांग थी कि इसमें जिस तरह की शर्तें हैं, लोकल लोग भाग नहीं ले पाएंगे। सरलीकृत किया जाए। इसके बाद दूसरा टेंडर किया गया।

उमेश पटेल- आप मान रहे हैं कि सरलीकृत करते हुए दूसरा टेंडर निकाला गया। ऐसे में डाउन ग्रेड का क्या क्राइटेरिया है? क्या डाउन ग्रेड का निर्णय स्काउट गाइड परिषद ने लिया था?

गजेन्द्र यादव- भारत स्काउट गाइड परिषद ने राज्य शासन को पत्र लिखकर कहा था कि टेंडर जेम पोर्टल की प्रक्रिया पर जाते हुए करें। राज्य शासन ने इस काम के लिए बालोद कलेक्टर को अधिकृत किया।

उमेश पटेल- राज्य स्काउड गाइड परिषद का अध्यक्ष कौन होता है?

गजेन्द्र यादव- स्कूल शिक्षा मंत्री।

उमेश पटेल- क्या परिषद को भंग करेंगे। सांसद बोलते हैं मैं परिषद का अध्यक्ष हूं। स्कूली शिक्षा मंत्री बोलते हैं मैं अध्यक्ष हूं। फिर पहला टेंडर निरस्त किसने किया?

गजेन्द्र यादव- जिले की निविदा समिति ने भंग किया।

उमेश पटेल- 23 दिसंबर 2025 को दूसरी बार टेंडर हुआ। टेंडर भरने की अंतिम तारीख 2 जनवरी थी। क्या निविदा पूर्ण होने से पहले ही काम शुरु हो गया था?

गजेन्द्र यादव- काम बंटे रहते हैं। बहुत सी चीजें जम्बूरी के नेशनल हेड क्वार्टर से तय होती हैं।

(टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण होने से पहले काम शुरु हो गया था। पटेल की इस आरोप के बाद सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों तरफसे शोर शराबा होने लगा।)

उमेश पटेल- इस पूरे प्रकरण की क्या विधायकों की समिति से जांच कराएंगे?

गजेन्द्र यादव- आप कह रहे हैं टेंडर में भ्रष्टाचार हुआ है। जेम पोर्टल में भ्रष्टाचार नहीं हो सकता। प्रोग्राम राष्ट्रीय स्तर का था। जल, प्रकाश, टेंड समेत जो अन्य बड़े काम हुए उसमें भारत सरकार की बड़ी भूमिका रही।

केंवटी से ईरपानार के बीच खराब सड़क के कारण लगातार दुर्घटनाएं व मौतें...

विक्रम उसेन्डी ने अपनी ही सरकार को घेरा

विधानसभा में आज वरिष्ठ आदिवासी विधायक विक्रम उसेंडी ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि केंवटी-पखांजूर-बांदे- ईरपानार मार्ग की हालत बेहद खराब होने के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं तथा मौतें हो रही हैं। यहां सदन में दुर्घटनाएं नहीं होने की गलत जानकारी पेश की जा रही है। प्रश्नकाल में विक्रम उसेण्डी का सवाल था कि कांकेर जिले के केंवटी-पखांजूर-बांदे-ईरपानार मार्ग में वर्तमान समय में कितने पुल-पुलिया जीर्ण-शीर्ण स्थिति में हैं? क्या इन पुल-पुलियों के निर्माण कार्य की स्वीकृति हुई है? यदि हां तो कब से निर्माण कितनी-कितनी लागत से किया जाना है? क्या इन पुल-पुलियों के संकरे होने एवं ठीक नहीं होने के चलते इन स्थलों पर कई दुर्घटनाएं घटित हुई हैं? विक्रम उसेन्डी ने आगे कहा कि यह 91 किलोमीटर लंबा मार्ग है। इस मार्ग को नया स्वरुप देने 2010 में शासन की ओर से स्वीकृति दी गई थी। 2013 तक यह काम पूरा हो जाना था। उसके बाद 2013 से 2018 का समय निकल गया तब भी काम नहीं हुआ। आज भी अटका हुआ है। इस मार्ग पर 11 स्थान तो ऐसे हैं जो बेहद खतरनाक हैं। उप उमुख्यमंत्री (लोक निर्माण) अरुण साव ने जवाब में कहा कि 2010 में भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय ने इस मार्ग के लिए स्वीकृति प्रदान की थी। 2011 को कार्यादेश भी जारी हुआ था। 91 किलोमीटर की इस सड़क में 134 पुल पुलिया का निर्माण होना था। काम शुरु भी हुआ था। जो कंपनी काम कर रही थी वह 2018 में काम छोड़कर चली गई। उच्च न्यायालय में मामला लंबित है। ऐसे 11 पुल पुलिया जो एकदम संकरे हैं, उन्हें ठीक करने विभाग ने व्यवस्था की है। दुर्घटना चिन्हित स्थानों पर विशेष मरम्मत मद से भी काम करा रहे हैं। बचे काम को पूरा करने की अनुमति जारी हो गई है। इस बार के बजट में इस बात की घोषणा भी हुई है। इस मार्ग पर दो और नये ब्रिज राज्य मद से स्वीकृत हुए हैं। विक्रम उसेन्डी ने कहा कि जिस 11 पुल पुलिया की बात कर रहे हैं वह साठ साल पहले के हैं, जहां लगातार दुर्घटनाएं होती हैं। आपके विभाग व्दारा दुर्घटानाएं नहीं होने की जानकारी दी जा रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सही है कि दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। विभाग के हिसाब से दुर्घटना की कोई जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री जब पखांजूर गए थे तब भी इस सड़क निर्माण की घोषणा किए थे। विक्रम उसेन्डी ने कहा कि इस मार्ग पर मोटर सायकल से लेकर छोटा हाथी, ट्रक, स्कार्पियो जैसे वाहनों के दुर्घनाग्रस्त होने की जानकारी सामने आती रही है। लगातार दुर्घटनाओं में मौतें भी होती रही हैं। विभाग के अधिकारी दुर्घटनाएं न होने का गलत उत्तर दे रहे हैं। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने कहा कि हर विधायकों के सवालों पर इसी तरह गलत जानकारियां सामने आ रही हैं। सभापति धरमलाल कौशिक ने कहा कि मार्ग निर्माण के टेंडर तो होते हैं, रेट कम होते ही टेंडर लगाने लगाने वाले चले जा रहे हैं। टेंडर होने के बाद एग्रीमेंट नहीं करते। यही कारण है कि विधायकगण जो प्रयास करते हैं वह विफल हो जाता है।

खबर-खास

युद्ध की स्थिति के बीच पेट्रोल-डीजल की सामान्य आपूर्ति बनाए रखने के लिए कलेक्टर उइके ने दिए निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। मध्य-पूर्व एशिया में उत्पन्न युद्ध की स्थिति को देखते हुए पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में कमी की आशंका को लेकर जिला प्रशासन ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।प्रशासन ने कहा है कि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य रूप से बनाए रखी जाए। पेट्रोल पंप संचालक उपभोक्ताओं को केवल वाहनों में ही पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराएं। किसी भी स्थिति में बोतल, कंटेनर, ड्रम या अन्य बर्तनों में पेट्रोल-डीजल का वितरण नहीं करें। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि किसी पेट्रोल पंप द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए इस प्रकार पेट्रोल-डीजल का विक्रय किया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

छोटे नोटों की किल्लत से बाजार में संकट, दुकानदार और ग्राहक परेशान

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में इन दिनों एक, दो, पांच, दस और बीस रुपये के छोटे नोटों की भारी किल्लत देखने को मिल रही है। हालत यह है कि बाजार में चल रहे अधिकांश छोटे नोट अब फटने की कगार पर पहुंच चुके हैं,जिससे दुकानदारों और ग्राहकों दोनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय बाजारों में खरीदारी के दौरान अक्सर छुट्टे पैसे को लेकर बहस की स्थिति बन रही है। दुकानदारों का कहना है कि बैंकों से छोटे नोट पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहे हैं, जिसके कारण उन्हें ग्राहकों को छुट्टा देने में कठिनाई हो रही है। कई दुकानदारों को मजबूरी में फटे-पुराने नोट ही चलाने पड़ रहे हैं।

ग्राहकों का कहना है कि कई बार दुकानदार छोटे नोट नहीं होने का हवाला देकर टॉफी या अन्य सामान थमा देते हैं, जिससे असहज स्थिति बन जाती है। वहीं कुछ दुकानदारों ने बताया कि जो छोटे नोट बाजार में मौजूद हैं, वे भी काफी पुराने और फटने की स्थिति में हैं, जिससे लेन-देन में दिक्कत हो रही है। आर्थिक जानकारों के अनुसार छोटे नोटों की कमी से छोटे व्यापार और रोजमर्रा के लेन-देन पर सीधा असर पड़ता है। खासकर सब्जी विक्रेता, ठेला-रेहड़ी वाले और छोटे दुकानदार इससे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने भारतीय रिजर्व बैंक और बैंकों से मांग की है कि बाजार में छोटे नोटों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता और व्यापारियों को राहत मिल सके।

गैस सिलेंडर आपूर्ति को लेकर प्रशासन के निर्देश, कलेक्टर ने गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके ने जिले के सभी गैस वितरकों को आयल कंपनियों के निर्देशानुसार घरेलू गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।विशेष रूप से अस्पतालों और छात्रावासों में गैस की कमी न हो, इसका ध्यान रखने को कहा गया है। प्रशासन ने निर्देश दिया है कि वितरक प्रतिदिन गैस की आवक और वितरण की लिखित जानकारी संबंधित कार्यालय को उपलब्ध कराएं। गैस सिलेंडर की बुकिंग अवधि 25 दिन निर्धारित की गई है तथा केवल ऑनलाइन बुकिंग पर ओटीपी आधारित रिफिल वितरण किया जाएगा।इसके साथ ही गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। उपभोक्ताओं को आवश्यक होने पर रिफिल प्राप्त करने संबंधी जानकारी गैस एजेंसियों में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन ने कहा है कि समय-समय पर जारी सभी निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी संस्था द्वारा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अग्निवीर भर्ती के लिए एक दिवसीय कार्यशाला

सूरजपुर। पंडित रविशंकर त्रिपाठी शासकीय महाविद्यालय भैयाथान, सूरजपुर में आज भारतीय थल सेना अग्निवीर भर्ती 2026 के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला एवं जागरूकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता पुरुषोत्तम कुमार चन्द्रा, पैरा कमांडो स्पेशल ट्रेनर, सैनिक कल्याण बोर्ड बिलासपुर द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने उद्बोधन में चन्द्रा ने विद्यार्थियों को अग्निवीर भर्ती की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

निधन : एस सुकुमारन नायर

दुर्ग। जिला चिकित्सालय दुर्ग से सेवानिवृत्त सुकुमारन नायर उम्र 87 निवासी खुल्त 399 पदमनाभपूर दुर्ग निवासी का बुधवार को निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में 12 मार्च गुरुवार को 12 बजे किया जायेगा. वे शोभना,हेमा एवं सुधा नायर के पिता थे।

अमृत मिशन 2.0 अंतर्गत अमृत मित्र महोत्सव में शामिल होने 13 महिलाएं नई दिल्ली के लिए रवाना

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले के नगरीय निकायों में अमृत मिशन 2.0 अंतर्गत अमृत मित्र के रूप में कार्यरत स्व सहायता समूह की 13 महिलाओं को 13 मार्च को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित अमृत मित्र महोत्सव में शामिल होने के लिए रवाना किया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) एवं संबंधित नगरीय

निकाय के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) द्वारा महिलाओं को हरी झंडी दिखाकर नई दिल्ली के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि अमृत मिशन 2.0 के माध्यम से स्व सहायता समूह की महिलाएं नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता, जल प्रबंधन तथा जनजागरूकता से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अमृत मित्र के रूप में इन महिलाओं द्वारा समाज में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। नई दिल्ली में आयोजित अमृत मित्र महोत्सव में भाग लेने से महिलाओं को देश के विभिन्न राज्यों से आए अमृत मित्रों से संवाद करने, अपने अनुभव साझा करने तथा नई जानकारियां प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इससे उन्हें अपने कार्यों को और बेहतर तरीके से करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। इस दौरान अधिकारियों ने सभी महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे महोत्सव में सक्रिय रूप से भाग लें और वहां से प्राप्त अनुभवों को जिले में भी साझा करें, जिससे अन्य समूहों को भी प्रेरणा मिल सके। उल्लेखनीय है कि अमृत मिशन 2.0 के तहत नगरीय निकायों में स्व सहायता समूह की महिलाओं को अमृत मित्र के रूप में जोड़ा गया है, जो स्वच्छता, जल संरक्षण, नागरिक जागरूकता तथा विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

स्वच्छग्राही समूह के सदस्यों को कचरा संग्रहण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के दिए निर्देश

मुंगेली (समय दर्शन)। राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) रायपुर की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने बुधवार को मुंगेली जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा कर ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत रेहुंटा, बुंदेली, पंडरभट्ठा, टेमरी एवं चमारी में स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वच्छग्राही समूह के सदस्यों को सूखा, गीला एवं प्लास्टिक कचरे के पृथक्करण के संबंध में आवश्यक जानकारी दी तथा घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। साथ ही गांवों में श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई बनाए रखने के विषय पर विस्तार से चर्चा की।

राज्य सलाहकार ने स्वच्छग्राही समूह के सदस्यों से स्वच्छता गतिविधियों की जानकारी ली और ग्रामीणों को सूखा व गीला कचरा अलग-अलग रखने के लिए जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने ग्राम के सरपंच एवं सचिवों से भी चर्चा करते हुए कहा कि कचरा इधर-उधर फेंकने वाले लोगों को नम्रता से समझाकर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए।

श्री श्री विश्वविद्यालय में 'साहित्य संवाद', सेना के अनुभवों से छात्रों को मिली प्रेरणा

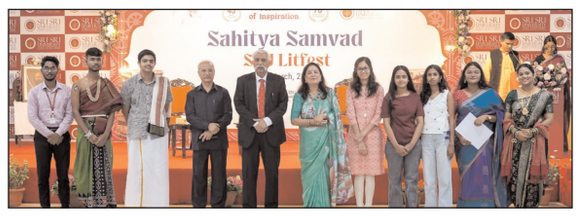

रायपुर (समय दर्शन)। एक बार मुझे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किए जाने के अवसर पर निर्वाचन आयोग के कैबिनेट सचिव टी. एस. सुब्रमण्यम ने मुझसे पूछा था, मेजर बख्शी, आपने इतने वर्षों तक देश की सेवा की है, आपके जीवन की सबसे बड़ी घटना कौन-सी है? इसके उत्तर में मैंने कहा था, 'मेरा जीवित रहना ही मेरे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। क्योंकि मैंने अपने जीवन में जिन अनेक युद्धों का सामना किया, उनमें अपने सैनिकों की मृत्यु को बहुत करीब से देखा है। ऐसे में मेरा जीवित रह जाना ही मेरे जीवन की सबसे बड़ी घटना है।' यह बात भारतीय थलसेना के सेवानिवृत्त मेजर जनरल जी. डी. बख्शी ने ओड़िशा के कटकस्थित श्री श्री विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रेरणा के पर्व 'साहित्य संवाद' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। भगवद्गीता की जीवन्त शिक्षाओं को उदाहरणों के साथ समझाते हुए उन्होंने अपने जीवन के सभी साहसिक अभियानों का भी उल्लेख किया। उन्होंने इन अनुभवों, अनुभूतियों, दर्शन और शिक्षाओं के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही यह भी प्रेरणादायक रूप से समझाया कि भय पर कैसे विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने 1971 के युद्ध का उल्लेख करते हुए बताया कि उनके सहकर्मी सेकंड लेफ्टिनेंट महेंद्र प्रताप सिंह को पाकिस्तानी सेना ने किस प्रकार अत्यंत पीड़ादायक मृत्यु दी थी। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना का वर्णन भी उन्होंने किया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इसके जवाब में भारत ने किस प्रकार 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बना लिया था। श्री श्री विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस पूरे दिन चलने वाले कार्यक्रम में अंग्रेज़ी साहित्यकार एवं कॉर्पोरेट व्यक्तित्व संजीव सरीन, कुलाध्यक्ष प्रोफेसर रजिता कुलकर्णी, आर्ट ऑफ लिविंग के ब्रह्मनिष्ठ कार्यक्रम की चेयरपर्सन भानुमति नरसिम्हन, ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता ओड़िया साहित्यकार पद्मभूषण डॉ. प्रतिभा राय, विशिष्ट अनुवादक, आलोचक एवं स्तंभकार प्रोफेसर यतीन्द्र नायक, प्रसिद्ध उपन्यासकार एवं साहित्यकार गौरहरि दास, बैंकर मिहिर पटनायक, जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता डॉ. पीताबास राउतराय तथा प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सत्यव्रत (कुना) त्रिपाठी प्रमुख विभिन्न सत्रों में उपस्थित रहे और अपने विचारों से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों को प्रेरित किया। सबसे पहले एडमिन अधिकारी सौरभ बावेजा ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया, जबकि कुलपति डॉ. तेजप्रताप ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम की शुरुआत ओडिशी नृत्य 'दशावतारम्' से हुई। इस कार्यक्रम में लगभग 400 से अधिक दर्शक उपस्थित थे। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. बिप्लब बिश्वाल, डॉ. भरत दाश, डॉ. केशरी सिंह, डॉ. मधुमिता दास, डॉ. राकेश त्रिपाठी और डॉ. डी. डी. स्वाईं ने विभिन्न सत्रों का संचालन किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए कुलपति प्रोफेसर डॉ. तेजप्रताप, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा, कार्मिक निदेशक स्वामी सत्यचैतन्य, छात्र कल्याण विभाग के डीन प्रोफेसर डॉ. जयप्रकाश भट्ट तथा मानव संसाधन विभाग के उपनिदेशक ज्योतिरंजन गड़नायक ने आयोजकों को धन्यवाद दिया।

ड्राइवर मजदूर एसोसिएशन के जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन डड़सेना ने कराया ललितपुर विद्यालय में नेवता भोज

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड, संकुल जमदरहा के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर में इस शिक्षा सत्र 2025ड्ड26 में शासन के निर्देशानुसार लगातार नेवता भोज कराते हुए आज दिनांक 11 मार्च 2026 को 23 वी बार नेवता भोज का आंशिक रूप से आयोजन हुआ । नेवता भोज कराने वाले अर्जुनलाल डडसेना ग्राम डूमरपाली, ड्राइवर मजदूर एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी और कलार समाज, गढ़फुलझर क्षेत्र के प्रचार मंत्री की अध्यक्षता एवं श्रीमती नोनीबाई चौहान सरपंच ग्राम पंचायत बी बन डबरी ,विशिष्ट अतिथि डिजेंद्र कुर्रे संकुल समन्वयक जमदरहा, मीना बाई चौहान (पंच),भोला राम जगत (युवा समाजसेवी), खेमकुमारी साहू,(एस एम सी उपाध्यक्ष), रामेश्वरी चौहान (एस एम सी सदस्य), अनिता चौहान (महिला स्व सहायता समूह सदस्य)और समस्त अतिथियों का गफ्फार खान (प्रधान पाठक ललितपुर), प्रहलाद साहू (सहायक शिक्षक), महेत्तरीन चौहान और शाला प्रबंधन समिति सदस्यों द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात नेवता भोज में फल व स्वादिष्ट व्यंजन परोसा गया।

सभी बच्चों ने नेवता भोज का आनंद बड़े ही चाव के साथ लिया। नेता भोज कराने वाले प्रमुख अतिथि अर्जुनलाल डडसेना द्वारा सभी बच्चो को कॉपी ,कलम, और शिक्षको और गणमान्य नागरिकों को गमछा और कलम भेंट किये। शाला प्रबंधन समिति ललितपुर द्वारा प्रमुखअतिथि अर्जुनलाल डडसेना और विशिष्ट अतिथि भोलाराम जगत को सरपंच महोदया नोनी बाई के हाथो से शाल, गमछा और श्रीफल भेंट किया गया।

प्रधान पाठक गफ्फार खान ने अपने संबोधन में कहा कि आज विद्यालय में सतत 23 वी बार नेवता भोज का आयोजन से बहुत खुशी हुई । आज के आयोजन के दानदाता जो अखबार पढ़कर ललितपुर के नेवता भोज से प्रेरित होकर आज नेवता भोज दिए है। ये हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। तत्पश्चात नोनीबाई चौहान (सरपंच ग्राम पंचायत बी बनडबरी) ने अपने संबोधन मे कहा कि ललितपुर विद्यालय के सभी कार्य रचनात्मक एवं प्रेरणादायक रहते हैं। बच्चों के बीच आकशर मुझे बहुत खुशी होती है ।विद्यालय में प्रतिदिन कुछ न कुछ गतिविधियां होती रहती है जिससे बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए सहायक होगा।विद्यालय के विकास में सदा ध्यान दूंगी। तत्पश्चात आज के कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डिजेंद्र कुर्रे ने कहा ,ललितपुर का यह आयोजन बहुत ही बहुत ही सुंदर और अद्भुत है। हमारे संकुल ही नही पूरे विकास खण्ड में एक अच्छा संदेश दे रहा है। प्रधान पाठक के जुझारूपन, कर्मठता और सकारात्मक सोच का परिणाम है।कार्यक्रम के दानदाता अर्जुनलाल डडसेना ने कहा कि आज मुझे ललितपुर विद्यालय के बच्चो को नेवता भोज देकर बहुत खुशी हो रही है । यह भी एक प्रकार का पुण्य का कार्य है। सफल आयोजन का नेतृत्व करने वाले प्रधान पाठक और शाला प्रबंधन समिति की प्रशंसा करता हूं और सभी बच्चो की उज्वल भविष्य की कामना करता हु।

आज के कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति उपाध्यक्ष खेमकुमारी साह,सरपंच महोदया बी बनडबरी नोनीबाई चौहान, मीना चौहान(पंच),रामेश्वरी चौहान, अनिता चौहान,बुधियारिन, रामवती , महेत्तरीन,घुराऊराम, श्रीलाल, अंजली साहू, भगवती साहू, उपस्थित थे।

आज के नेवता भोज कार्यक्रम से बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे, सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर, विकास खण्ड स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव, बसना संकुल समन्वयक अध्यक्ष त्रिकान्त बाघ, नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी ने प्रसन्नता व्यक्त की है। अंत में प्रधान पाठक गफ्फार खान ने सभी गणमान्य नागरिको का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

जनपद अध्यक्ष उषा पुरूषोत्तम धृतलहरे के आतिथ्य में लाटादादर में हाट बाजार का शुभारंभ

ग्राम में ही सब्जी के साथ जरूरत की सामग्री मिलने से ग्रामीणों को बसना सांकरा का अब नहीं लगाना पड़ेगा चक्कर

पिथौरा (समय दर्शन)। छुवालीपतेरा के सरपंच महेशराम उपसरपंच दयाराम जांगड़े , पंच गण , एवं ग्रामवासियों के द्वारा यह पहल किया गया , ज्ञात हो कि पूर्व सरपंच मोहनलाल पण्डा ने यह चर्चा रखा था कि उनके पंचायत स्तर में सब्जी हाट बाजार का शुभारंभ किया जाए।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती उषा धृतलहरे ने कही कि गांव में हाट बाजार के शुभारंभ होने पर ग्रामीणों को गांव में ही तरह तरह के सब्जी बाजार में मिल सकती है , एवं जनपद उपाध्यक्ष ब्रहमानंद पटेल ने कहा ग्रामीणों की सुविधा के साथ साथ सामाजिक एकता का भी प्रतीक है और प्रत्येक मंगलवार को लाटादादर क्षेत्र के किसान , व्यापारी , बाजार से लाभ ले सकते है।

भाजपा नेता स्वप्निल तिवारी ने कहा कि, ग्रामीणों के लिए खुशी की बात है कि,अब गांव में ही सब्जी और जरूरत की सामग्री हाट बाजार के माध्यम से उपलब्ध होने से लोगों को बसना सांकरा का चक्कर लगाने एवं अतिरिक्त आर्थिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। इस भव्य शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती उषा पुरूषोत्तम धृतलहरे (जनपद पंचायत अध्यक्ष पिथौरा) श्री ब्रम्हानंद पटेल, (जनपद अध्यक्ष)श्रीमती छोटू भारती अग्रवाल (जनपद सदस्य) पुरूषोत्तम धृतलहरे(जनपद सभापति) खेमराज अग्रवाल (विधायक प्रतिनिधि)अजय अग्रवाल,कंवलजित सिंह छाबड़ा(सभापति) नरेंद्र बोरे (निज सचिव) सतपाल सिंह छाबड़ा (पूर्व जनपद अध्यक्ष) माथामणी बढ़ाई (जनपद सदस्य) एवं समस्त ग्राम पंचायत के सदस्य विशिष्ट अतिथि एवं ग्रामिणजन उपस्थित थे ।

सरायपाली पुलिस ने झपटमार को दबोचा, झपटमारी किए गए पचास हजार रूपये बरामद

प्रकरण का मुख्य आरोपी विक्रम उर्फ वरुण बंछोर गिरफ्तार

नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली (समय दर्शन)। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी भोजराज पटेल पिता कुरसो पटेल उम्र 43 ग्राम रिमजी थाना सिंघोड़ा जिला महासमुंद के द्वारा थाना सरायपाली में रिपोर्ट दर्ज कराया की दिनांक घटना समय को प्रार्थी अपने पिता कुरसो पटेल के मोटरसाइकिल से धान का बोनस पैसा निकालने जिला सहकारी बैंक सरायपाली आए थे कि फव्वारा चौक के पास दो अज्ञात व्यक्ति द्वारा 50 हजार रुपये को झपटमारी कर ले जाने के संबंध में लिखित रिपोर्ट पर थाना सरायपाली मे अज्ञात आरोपीयो के विरुद्ध अपराध क्रमांक 83/26 धारा 304(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर तत्काल जांच शुरू की। सरायपाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी विश्लेषण का सहारा लिया एवं मुखबिर की सूचना पर बताए स्थान ग्राम माधोपाली में पहुंच कर घेराबंदी कर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया, पूछताछ करने पर अपना नाम विक्रम उर्फ वरुण बंछोर पिता रेवा शंकर उम्र 20 साल ग्राम माधो पाली हाल वार्ड नंबर 12 बाजार पारा सरायपाली मे विजय राम बरिहा के घर में रहना बताया जिसके पास से 50 हजार रुपये व पासबुक मिला, उक्त रकम के बारे में पूछताछ करने पर लूटपाट का होना बताया। आरोपी का कृत्य अपराध धारा सदर का पाए जाने से आरोपी को आज दिनाक 11/3/26 को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि बैंक से बड़ी राशि निकालते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

कलेक्टर ने कृषि एवं समवर्गीय विभागों की ली संयुक्त समीक्षा बैठक

ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करने समन्वित कार्य पर दिया जोर

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर बी.एस.उइके की अध्यक्षता में कृषि,पशुपालन, उद्यानिकी, रेशम, क्रेड़ा, बीज निगम,मछलीपालन विभागो सहित बैंक,मंडी,सहकारी संस्थाओं की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि कृषि पशुपालन,उद्यानिकी और मछलीपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं,इसलिए सभी विभागों का आपस में समन्वय होना बहुत जरूरी है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग को मिलकर जिले में अच्छे से कार्य करना होगा। उन्होंने पीएम किसान की समीक्षा करते हुए ईकेवाईसी, लैण्ड सिडिंग, आधार सिडिंग,पीएम किसान सम्मान निधि योजना, एग्रीस्टेक पंजीयन के लक्ष्य पुर्ति के प्रगति के संबंध में विकासखण्डवार विस्तार पूर्वक जानकारी ली।

उन्होंने कृषि सीजन के समय किसानों को उन्नत बीज, खाद एवं कीटनाशक समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने फसल विविधीकरण, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली एवं जैविक खेती के विस्तार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायतों में किसानों को जैविक खेती, दलहन-तिलहन एवं उन्नत खेती से जोड़ा जाए।

इस दौरान बैठक में उप संचालक कृषि चंदन रॉय, पशु चिकित्सा सेवाएं के उप संचालक ओ.पी तिवारी,सहायक संचालक मत्स्य एमएस कमल, क्रेड़ा के सहायक अभियंता तुलसीराम ध्रुव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने गौधाम के सुचारु संचालन, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, तथा टीकाकरण अभियान की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन ग्राम स्तर पर नियमित रूप से किया जाए ताकि पशुपालकों को तत्काल सुविधा मिल सके।उन्होंने 21 पशु संगणना, कृत्रिम गर्भाधान एवं वत्सोत्पादन, पशुओं के टीकाकरण,मोबाईल वेटनरी युनिट के कार्यो,व्यक्तिमूलक योजना जैसे-बैकयार्ड कुक्कुट, सूकरत्रयी,सांड,बकरा वितरण,उन्नत मादा वत्स पालन की जानकारी लेते हुए निर्धारित समय पर लक्ष्य अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मछलीपालन विभाग की समीक्षा में तालाब एवं जलाशय का पट्टा वितरण, मत्स्य बीज संवर्धन केंद्रों की स्थिति और मत्स्य पालकों को दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी ली।मत्स्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि जिले के चयनित मत्स्य पालक किसानों को अध्ययन भ्रमण के लिए आंध्रप्रदेश भेजा गया है। कलेक्टर ने कहा कि मछलीपालकों को शासन की योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, केसीसी का अधिकतम लाभ दिलाया जाए।

इसी तरह उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-पॉम, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने उर्वरक का अग्रिम उठाव एवं भंडारण,पीडीएस तथा समितियों में भण्डारित उर्वरक की जानकारी, ऋण वितरण के लक्ष्य सहित क्रेड़ा,रेशम की जानकारी लेते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अधिकारियों को निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ के 30 जिलों में वरिष्ठ नागरिक गृह नहीं, केंद्र से शीघ्र व्यवस्था करने का आग्रह

सांसद अग्रवाल ने संसद में उठाया बुजुर्गों के सम्मान और देखभाल का मुद्दा

नई दिल्ली/रायपुर :- रायपुर के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने संसद में बुजुर्गों की देखभाल और उनके सम्मानजनक जीवन से जुड़े एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय को मजबूती से उठाया। उन्होंने छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आधारभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा रखते हुए केंद्र सरकार से इस दिशा में शीघ्र ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा संसद में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री बी.एल. वर्मा ने बताया कि देश में अटल वयो अभ्युदय योजना (एवीवाईएवाई) के अंतर्गत संचालित वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत कार्यक्रम (आईपीएसआरसी) के तहत केंद्र सरकार देशभर के 705 वरिष्ठ नागरिक गृहों को सहायता प्रदान कर रही है। इनमें से मात्र तीन वरिष्ठ नागरिक गृह छत्तीसगढ़ में स्थित हैं। मंत्रालय ने यह भी जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ के कुल 33 जिलों में से 30 ऐसे जिले हैं जहाँ अभी तक एक भी वरिष्ठ नागरिक गृह उपलब्ध नहीं है। राज्य सरकार द्वारा किए गए जिला-स्तरीय सर्वेक्षण के आधार पर ऐसे जिलों को गैप जिला के रूप में चिन्हित किया गया है। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और समुचित देखभाल के लिए आवश्यक सुविधाओं का हर जिले में उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि छत्तीसगढ़ के इन गैप जिलों में शीघ्र वरिष्ठ नागरिक गृह स्थापित करने की दिशा में प्रभावी पहल की जाए। सांसद श्री अग्रवाल के आग्रह पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने बताया कि इन कमियों को दूर करने के लिए विभाग वर्षभर अनुदान पोर्टल के माध्यम से गैर-सरकारी संगठनों से

आवेदन आमंत्रित कर रहा है, ताकि ऐसे जिलों में वरिष्ठ नागरिक गृहों की परियोजनाओं को स्वीकृति देकर बुजुर्गों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

गंभीर बीमार वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी उठाया मुद्दा- सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने गंभीर रूप से बीमार बुजुर्गों की देखभाल के लिए किए जा रहे प्रबंधों पर भी विस्तृत जानकारी मांगी। इस पर मंत्रालय ने बताया कि अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी बीमारियों से पीड़ित वरिष्ठ नागरिकों के लिए सतत देखभाल गृह (सीसीएच) संचालित किए जा रहे हैं, जिनके संचालन और रखरखाव के लिए केंद्र सरकार वित्तीय सहायता प्रदान करती है। वर्तमान में देशभर में ऐसे 13 सीसीएच संचालित हो रहे हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में अभी तक किसी भी सीसीएच को वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जा रही है। इस पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सरकार से आग्रह किया कि छत्तीसगढ़ में भी ऐसे सतत देखभाल गृहों की स्थापना और वित्तीय सहायता सुनिश्चित की जाए, ताकि गंभीर रूप से बीमार बुजुर्गों को आवश्यक चिकित्सा और देखभाल मिल सके। मंत्रालय ने यह भी बताया कि वृद्धजनों की स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2010-11 में राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम (एनपीएचसी) शुरू किया गया है। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत कार्यक्रम के तहत मोबाइल मेडिकेयर यूनिट, फिजियोथेरेपी क्लिनिक, वरिष्ठ नागरिक गृह और अन्य सुविधाओं के संचालन के लिए विभिन्न संस्थाओं को अनुदान दिया जाता है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जिनकी पारिवारिक आय 15 हजार रुपये प्रति माह से कम है, उन्हें जीवन सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मलाबार ग्रु के चेयरमैन एम.पी. अहमद 'बिजनेस भूषण' पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई: मालाबार ग्रुप के चेयरमैन, श्री एम.पी. अहमद को लोकमत महाराष्ट्रियन ऑफद ईयर अवाड्र्स 2026 में प्रतिष्ठित बिजनेस भूषण अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान उनके दूरदर्शी नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी रिटेल क्षेत्र के साथ-साथ समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया है। मुंबई के ऐतिहासिक गेटवे ऑफइंडिया पर आयोजित इस भव्य समारोह में राजनीति, उद्योग और मनोरंजन जगत की दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं। पुरस्कार वितरण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फढ़णवीस और उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे ने किया। इस अवसर पर लोकमत के चेयरमैन श्री विजय दरड़ा, कई मंत्री, अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं। लोकमत मीडिया ग्रुप द्वारा प्रस्तुत यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने अपने नेतृत्व और उपलब्धियों से न सिर्फउद्योगों को नई दिशा दी है, बल्कि समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी निभाई है। एम. पी. अहमद को यह सम्मान उनके उल्लेखनीय उद्यमी सफर और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स को वैश्विक स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेलर तथा भारतीय मूल का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेलर बनाने में निभाई गई भूमिका के लिए दिया गया। सम्मान प्राप्त करने पर मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद ने कहा, लोकमत महाराष्ट्रीयन ऑफद ईयर अवॉड्र्स में बिज़नेस भूषण अवॉर्ड प्राप्त करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। यह सम्मान पूरे मलाबार परिवार की सामूहिक प्रतिबद्धता और हमारे ग्राहकों द्वारा वर्षों से हम पर जताए गए भरोसे को दर्शाता है। हमारी यात्रा सभी हितधारकों की सामूहिक प्रगति के सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें जिम्मेदारी, ईमानदारी और समाज के लिए स्थायी मूल्य सृजित करने की प्रतिबद्धता हमारा मार्गदर्शन करती है। हम हर काम में उत्कृष्टता हासिल करने के अपने प्रयास को जारी रखेंगे। 1993 में स्थापित मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स जिम्मेदार और पारदर्शी ज्वेलरी रिटेल को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। कंपनी ने रोजगार सृजन, संगठित रिटेल इकोसिस्टम को मजबूत करने और विश्वस्तरीय डिज़ाइन व सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

डॉ अजय सहाय को मिला डॉक्टर ऑफद ईयर अवार्ड

रायपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ चैप्टर द्वारा रायपुर में आयोजित 21वीं

राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस में राजधानी रायपुर के सुप्रसिद्ध कंसल्टेंट फिजिशियन प्रो डॉ अजय सहाय को डॉक्टर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया । स्थानीय बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, मोवा में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश के लगभग ढाई सौ डॉक्टर्स ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विदित हो कि डॉ अजय सहाय अंचल में गरीबों के डॉक्टर के नाम से प्रसिद्ध हैं। वो एक समाज सेवी भी हैं और छत्तीसगढ़ के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों, ट्राइबल्स और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विगत चार दशकों से निस्वार्थ हेल्थकेयर सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वो एक फिल्म निर्माता, निर्देशक और लेखक भी हैं।अपनी इसी प्रतिभा का उपयोग करते हुए उन्होंने सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं और सामाजिक कुरीतियों पर केंद्रित अनेक इंफोटेनमेंट प्रोग्राम्स तैयार किए हैं जिन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी प्रशंसा मिली है।स्वच्छ भारत अभियान पर केंद्रित और दूरदर्शन की नेशनल चैनल पर प्रसारित धारावाहिक परिवर्तन का निर्देशन भी डॉ सहाय ने किया था। डायबीटिज के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से उनके द्वारा लिखित व निर्देशित नृत्य नाटिका मधुमेह की रामलीला ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी वाहवाही लूटी है। चिकित्सा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए डॉ सहाय को सौ से अधिक सम्मान व पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।

मिलेट्स की खेती से बढ़ रही किसानों की आय

रायपुर। मिलेट्स (मोटा अनाज) की खेती कम लागत, कम पानी और बिना रसायनों के होने वाली एक अत्यधिक लाभदायक व पौष्टिक खेती है, जो 80-90 दिनों (जून-जुलाई से) में तैयार होती है। ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, कुटकी जैसे मिलेट्स बंजर या कम उपजाऊ भूमि के लिए भी उपयुक्त हैं। दंतेवाड़ा जिला अब मिलेट्स उत्पादन के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

किसानों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा आधुनिक तकनीक मददगार- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत दंतेवाड़ा जिले में मोटे अनाज (मिलेट्स) की खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहल की जा रही है। जिला प्रशासन और कृषि विभाग के प्रयासों से अब किसान पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाकर खेती में नए प्रयोग कर रहे हैं। इससे किसानों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मदद मिल रही है। दंतेवाड़ा जिले के कृषि इतिहास में पहली बार लगभग 300 प्रगतिशील किसान उन्नत 'श्री विधि' से रागी (मडिया) की खेती कर

रहे हैं। इस नई पद्धति से रागी उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ पोषक अनाजों की खेती को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। रागी को पोषण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसमें कैल्शियम और आयरन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने किसानों में उत्साह- इस पहल को सफल बनाने के लिए कृषि विभाग और भूमगादी की टीम गांव-गांव जाकर किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दे रही है। किसानों को बुवाई की सही विधि, पौधों के बीच उचित दूरी, जैविक खाद का उपयोग और फसल प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है। इससे किसानों में आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के प्रति उत्साह बढ़ रहा है।

'श्री विधि' से रागी की खेती कई तरह से लाभदायक मानी जाती है। इस पद्धति में बीज कम लगता है, जिससे लागत घटती है। साथ ही पारंपरिक खेती की तुलना में पानी की आवश्यकता भी कम होती है, जो वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए काफी उपयोगी है। पौधों को पर्याप्त जगह मिलने से उनका बेहतर विकास होता है और उत्पादन बढ़ने की संभावना रहती है। यह पद्धति जैविक और प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा देती है, जिससे मिट्टी की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है। दंतेवाड़ा जिले में रागी के साथ-साथ कोदो-कुटकी, ज्वार, बाजरा, मक्का, दलहन और तिलहन जैसी अन्य फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि विभाग किसानों को बहुफसली प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

T20 वर्ल्ड कप स्टार्स सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने TRUZON सोलर में स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट किया

हैदराबाद: सनटेक एनर्जी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के तहत काम करने वाली एक लीडिंग सोलर सॉल्यूशन प्रोवाइडर, TRUZON सोलर ने भारत की ICC मेन्स T20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली टीम के कैप्टन सूर्यकुमार यादव और उसी वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के मेंबर तिलक वर्मा से स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट की घोषणा की है। यह इन्वेस्टमेंट भारत के तेज़ी से बढ़ते रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में कंपनी की ग्रोथ को और मज़बूत करेगा। TRUZON सोलर के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर, चारुगुंडला भवानी सुरेश ने कन्फर्म किया कि दोनों प्लेयर्स ने कंपनी में इन्वेस्ट किया है, जो ऑर्गनाइज़ेशन के लॉन्ग-टर्म विज़न और भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांज़िशन में इसके कंट्रीब्यूशन पर उनके कॉन्फिडेंस को दिखाता है। चारुगुंडला भवानी सुरेश ने कहा, " TRUZON Solar ने सोलर एनर्जी इंडस्ट्री में 17 साल से ज़्यादा पूरे कर लिए हैं, और इस पूरे सफ़र में हमारा मुख्य फ़ोकस भरोसेमंद सोलर सॉल्यूशन देने पर रहा है, साथ ही इस सेक्टर में सबसे मज़बूत आफ़्टर-सेल्स सर्विस नेटवर्क में से एक को बनाए रखा है। सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा का हमारी कंपनी में इन्वेस्ट करने का फ़ैसला हमारे विज़न और रिन्यूएबल एनर्जी स्पेस में हमारी बनाई गई क्रेडिबिलिटी पर उनके भरोसे को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा, सोलर एनर्जी आज एक एनवायरनमेंटल ज़िम्मेदारी और एक नेशनल मौका दोनों है। TRUZON Solar में, हमारा मिशन क्लीन एनर्जी सॉल्यूशन को अपनाने में तेज़ी लाना है, साथ ही भारत से एक भरोसेमंद, सर्विस-ड्रिवन सोलर ब्रांड बनाना जारी रखना है। कंपनी की ग्रोथ जर्नी को इंडस्ट्रीज़ की जानी-मानी हस्तियों का भी सपोर्ट मिला है। लेजेंडरी क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर पहले से ही कंपनी में इन्वेस्टर हैं, जबकि तेलुगु फ़िल्म सुपरस्टार महेश बाबू TRUZON Solar के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर काम करते हैं, जो लोगों के बीच क्लीन और सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशन के बारे में अवेयरनेस बढ़ाने में मदद करते हैं।

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने 'द वन एंड ओनली' लॉन्च

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर, जिसने कई पीढ़ियों से सफलता के मायने को नई ऊंचाई दी है, अपना नया कैंपेन 'द वन एंड ओनली' लेकर आया है - सफलता की एक नई और प्रभावशाली कहानी। आज के समय में, जब सफलता के कई रूप दिखाई देते हैं और प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, तब ब्रांड एक सरल सच सामने लाता है ङ्क असली सफलता अलग पहचान में होती है - जो लोगों की प्रशंसा पाती है और व्यक्ति कोदूसरों से अलगबनाती है।इस नए कैंपेन में इस भावना को तीन चेहरों - अवंती नगरथ, किरनदीप चहल और माहका शर्मा ङ्क के जरिए दिखाया गया है। ये तीनों ब्रांड के अलग-अलग पहलुओं को दर्शाती हैं। अवंती अपने निडर आत्मविश्वास और अलग अंदाज से आकर्षण पैदा करती हैं, किरनदीप अपनी प्रभावशाली और बेबाक मौजूदगी से लोगों को प्रभावित करती हैं, और माहिका अपने संतुलित और शांत व्यक्तित्व से प्रेरणा देती हैं। एक ऐसी दुनिया में, जहां कई लोग समान दिखाई देते हैं, फिर भी ये तीनों और ब्रांड खुद सबसे अलग और खास नजर आते हैं और सभी का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। स्टाइल और गुणवत्ता से जुड़ा यह ब्रांड लगातार आधुनिक भारतीय संस्कृति में प्रेरणादायक सफलता को बढ़ावा देता आया है।

मध्यप्रदेश के किसानों का ग्राम लिंगाडीह आरंग में मखाना खेती भ्रमण एवं प्रशिक्षण संपन्न

रायपुर। धान के कटोरे कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में अब एक नई फसल अपनी पहचान बना रही है - सुपर फूड मखाना, जिसे काला हीरा भी कहा जाता है। स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर मखाने की खेती अब राज्य में आधुनिक तकनीक और नवाचार के साथ हो रही है। मखाना उत्पादन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर एवं अध्यक्ष जनपद सदस्य आरंग, श्री रिंकू चंद्राकर ने की. मध्य प्रदेश के किसानो सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री चंद्रहास चंद्राकर ने कहा की केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों के आर्थिक उन्नति के लिए विशेष रूप से कार्य कर रही है केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के प्रयासों से छत्तीसगढ़ मखाना बोर्ड सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम में शामिल हुआ है इसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं.हमारे मुख्य मंत्री श्री विष्णु देव साय

कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम जी के द्वारा मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने विशेष प्रयास किया जा रहा है श्री चंद्राकर ने कहा की छत्तीसगढ़ में सर्वप्रथम व्यवसायिक उत्पादन आरंग ब्लॉक के ग्राम लिंगाडीह के किसान स्व. श्री कृष्ण कुमार चंद्राकर द्वारा प्रारंभ किया गया था। राज्य का प्रथम मखाना प्रसंस्करण केंद्र का उद्घाटन 5 दिसंबर 2021 को ग्राम लिंगाडीह में तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। अब मखाना उत्पादन में प्रदेश में आरंग का नाम अपनी अलग पहचान बना चुका है. कार्यक्रम के अध्यक्ष जनपद सदस्य श्री रिंकू चंद्राकर ने कहा किया हमारे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रथम मखाना उत्पादन एवं संस्करण केंद्र हमारे क्षेत्र ग्राम लिंगाडीह में स्थापित हुआ है.छटेरा, निसदा एवं अन्य गांव में भी इसके विस्तार हेतु प्रयास किया जा रहे हैं हमारे इस केंद्र में न केवल हमारे प्रदेश के बल्कि अन्य प्रदेश के लोग भी यहां मखाना की खेती सीखने आ रहे हैं जो हमारे प्रदेश के लिए गर्व की बात है. मध्य प्रदेश के उमरिया जिला से 50 किसानों का एक भ्रमण दल कृषि विभाग के द्वारा मखाना की खेती के भ्रमण हेतु रायपुर जिला के आरंग ब्लॉक स्थित ओजस फॉर्म का भ्रमण किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस: परसा में सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन

600 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक की सहभागिता

अदाणी फाउंडेशन और राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड का आयोजन

अम्बिकापुर, उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर परसा क्षेत्र में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता, स्वावलंबन और सामाजिक सहभागिता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में परसा, साल्ही, बासेन, तारा, शिवनगर और घाटबर्रा सहित आसपास के गाँवों से छह सौ से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और आजीविका सुधार से जुड़ी संस्थागत पहलों की जानकारी उपलब्ध कराना तथा स्थानीय महिला प्रतिभाओं और उपलब्धियों को मंच प्रदान करना था। अदाणी फाउंडेशन और राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के इस आयोजन को क्षेत्र की महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के व्यापक लक्ष्य से जोड़कर देखा जा रहा है।

महिलाओं को मिल रहे रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर- परसा क्षेत्र में अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से महिला उद्यमी बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति सक्रिय रूप से कार्य कर रही है, जो महिलाओं को रोजगार, प्रशिक्षण और आय-सृजन के अवसर उपलब्ध करा रही है। समिति के अंतर्गत मशरूम उत्पादन, डेयरी यूनिट, फिनाइल निर्माण, मसाला प्रसंस्करण और वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन जैसी इकाइयाँ संचालित हैं।

इन इकाइयों के माध्यम से महिलाएँ आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं।

स्टॉल अवलोकन से शुरू हुआ कार्यक्रम- कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं के स्वागत और अतिथियों द्वारा विभिन्न स्व-सहायता समूह स्टॉलों के अवलोकन से हुई। सरगुजा क्षेत्र की पारंपरिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए ग्रैंड सुवा टीम ने सुवा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों ने मंच पर दीप प्रज्वलन किया और छत्तीसगढ़ राज्य गीत के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। इसके बाद महिलाओं की सहभागिता के प्रतीक स्वरूप केक काटकर महिला दिवस कार्यक्रम का विशेष उद्घाटन किया गया, जिसमें समुदाय की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैंप वॉक ने मन मोहा- कथक नृत्य, सुवा नृत्य, विभिन्न ग्रामों की टीमों द्वारा नृत्य प्रतियोगिताएँ, 'वुमन एम्पावरमेंट' पर आधारित नाटक और विभिन्न राज्यों की विशिष्टताओं को दर्शाने वाली रैंप वॉक ने पूरे कार्यक्रम को जीवंत और आकर्षक बनाए रखा। नृत्य प्रतियोगिता में साल्ही ग्राम की टीम विजेता रही। तारा, बासेन, परसा, शिवनगर और घाटबर्रा की टीमों ने भी अपने प्रदर्शन से कार्यक्रम को समृद्ध बनाया।

अदाणी फाउंडेशन के कार्यो का सकारात्मक प्रभाव: सीडीपीओ- कार्यक्रम में सरगुजा की डीडीसी श्रीमती रायमुनिया सिंह करियाम, परसा की सरपंच श्रीमती तुलसी उईके, बासेन की सरपंच श्रीमती रामेश्वरी पोर्ते, तारा की सरपंच श्रीमती सम्पतिया सिंह, साल्ही की सरपंच श्रीमती कालेश्वरी कोर्राम, उदयपुर ङ्खष्टष्ठस् विभाग की सीडीपीओ श्रीमती दयामणि कुजूर, हाई स्कूल परसा के प्राचार्य श्री राज कुमार चंद्रा, हाई स्कूल तारा के उप प्राचार्य श्री वेणी माधव जायसवाल, साल्ही के उप सरपंच श्री मुंशी प्रसाद, घाटबर्रा के उप सरपंच श्री दिनेश यादव, बासेन की उप सरपंच श्रीमती सुचिता तिर्की तथा परसा के उप सरपंच श्री उमाशंकर यादव की उपस्थिति रही।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
जोन क्र.-5 निविदा
:: आमंत्रण सूचना ::

क्र.2053/जोन क. 5/लो.क.वि./2026 रायपुर, दिनांक 11.03.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'द' से प्रवर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्यों हेतु सीलबंद निविदायें तीन लिफाफा पद्धति में दिनांक 01.04.26 तक को 4:00 बजे तक स्पाव्टर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार पालिक निगम जोन कार्यालय क्रमांक 5 में आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये दिनांकीड पोस्ट के माध्यम सेन के साथ निर्धारित निविदा प्रपत्र की राशि जमा करने के पश्चात प्राप्त किये जा सकेंगे। दिनांक 23.03.26 तक निविदा प्रपत्र जारी होंगे। कयास निविदाये दिनांक 01.04.26 को सांय 04:30 बजे खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि	एस.ओ.आर. नॉन एस.ओ.आर.
1	पं. सुंदरलाल शर्मा वार्ड अंतर्गत पहाड़ी तालाब के कीनारे लगे स्ट्रीट लाईट लगाने एवं संधारण कार्य।	4.00	6000/-	750/	4 माह	P.W.D. S.O.R (Electrical) 01.06.20

1 निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2 कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3 तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नए फर्मों के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन कमिश्नर
जोन क्र. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर

संपादकीय

ट्रंप के मूड की तलवार

इस दौर में अमेरिका के साथ हुए हर समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा राष्ट्रपति ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है। फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप के कदमों पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है। अमेरिका ने अब भारत से सौर ऊर्जा से संबंधित पाट-पुर्जों के आयात पर 126 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इसे भारत के फूलते-फलते सौर उद्योग पर घातक प्रहार समझा गया है। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ये कदम उस समय उठाया, जब अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टैरिफ वॉर के स्वरूप को लेकर अनिश्चय है। ट्रंप ने जिस कानून के तहत दंडात्मक आयात शुल्क लगाए थे, सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैध ठहरा दिया। उसके बाद ट्रंप ने दूसरे कानून के तहत सभी देशों पर दस फीसदी टैरिफ लगाया। बाद में कहा गया कि वे इसे 15 फीसदी तक ले जाएंगे। अब बताया गया है कि आम टैरिफ 10 फीसदी रहेगा और ट्रंप बाकी पांच फीसदी का इस्तेमाल विभिन्न देशों के रुख के हिसाब से करेंगे। इस बीच अलग-अलग उत्पादों (मसलन स्टील) पर लगाए गए शुल्क जारी रहेंगे और नए शुल्क भी ट्रंप लगाते रहेंगे, जैसाकि अब उन्होंने सौर ऊर्जा से संबंधित पाट-पुर्जों पर लगाया है। ऐसे में भारत सहित हर देश के सामने यह प्रश्न है कि ट्रंप प्रशासन से द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने का क्या औचित्य है? किसी समझौते के तहत हुई लेनदेन से देश के अधिकांश उद्योगों और अर्थव्यवस्था के ज्यादातर क्षेत्रों को लाभ ना हो रहा हो, तो वैसा समझौता करने की ललक क्यों दिखाई जानी चाहिए? मुद्दा यह भी है कि इस दौर में अमेरिका के साथ हुए समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है। फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप जो कर रहे हैं, उस पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय जाहिर हुआ है कि शासन की सभी संस्थाओं के बीच उन कदमों की वैधानिकता पर आम समझ का अभाव है। इसलिए भारत सरकार को ताजा स्थितियों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। अभी भी समय है कि वह पहले इस बारे में देश को भरोसे में ले और राजनीतिक आम सहमति तैयार करे। वरना, समझौते के प्रति उसके उत्साह पर सवाल उठते रहेंगे। उसे याद रखना चाहिए कि ट्रंप के हर मूडी एक्शन के साथ ऐसे सवाल और संगीन होते जाएंगे।

इसराइल और अमेरिका की निंदा

अजय दीक्षित

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता के देश अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जैसे पूरी दुनिया, विशेषकर मध्य पूर्व एशिया को युद्ध की आग में झोंककर तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इसराइल ने 28 फरवरी को अमेरिका के साथ मिलकर ईरान में मिसाइलों, बम वर्षक विमानों से एक साथ हमला कर ईरान के सुप्रीम कमांडर अली खुमेनई सहित, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री,43 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है। विगत तीन दिन से इसराइल और ईरान में घमासान मचा हुआ है। दूसरी ओर ईरान ने दुबई, कुवैत, यमन, दोहा, जद्दा, बहरीन, आबुधाबी में स्थित अमेरिका के ठिकानों पर हमला कर दिया। दुनियां भर में इसराइल और अमेरिका के इस कृत्य की निंदा हो रही है। यहां तक कि पाकिस्तान और भारत में भी कई शहरों लोगों ने विरोध जताया है। हालांकि भारत आधिकारिक तौर पर विश्व शांति की अपील की है। इस घटनाक्रम का विश्व बाजार पर गहरा असर पड़ेगा। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेगी क्योंकि पूरे विश्व का 22 फीसदी क्रूड ऑयल भंडार ईरान पर है और भारत अपनी जरूरत का तीस फीसदी तेल ईरान से खरीदता है।ईरान ने मिसाइलों से दुबई, कुवैत, यमन, दोहा, जद्दा, बहरीन आबुधाबी,के तेल संयंत्रों को बर्बाद कर दिया है। आज बाजार खुलते ही सेंसेक्स 1000 पॉइंट नीचे गिर गया। दरअसल जब से 2025 से दूसरी बार यू एस प्रेसिडेंट बने हैं डोनाल्ड ट्रंप तब उनके फैसलों में आग निकल रही है। पहले उन्होंने टैरिफ बार खेला और भारत , चाइना को इस जाल में फंसा कर अपनी बात मनवाई।इस वर्ष उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को पकड़कर अमेरिकी जेल में डाल दिया और वेनेजुएला पर कब्जा कर लिया। ईरान पर आठ माह पूर्व उसके परमाणु हथियारों के ठिकानों पर हमला किया। बस रूस ही ऐसा देश है जो अमेरिकी दबाब में नहीं आ रहा है और वह भी यूक्रेन को हड़प रहा है। कुल मिलाकर स्थिति यह है कि जिसकी लाठी उसकी भैंस। इतना नहीं नाटो देश भी अब अमेरिका के साथ है। जर्मनी, फ्रांस, इंग्लैंड ने अपनी सेना युद्ध में उतारने का मन बना लिया है। डॉनल्ड ट्रंप से पहले के यू एस प्रेसिडेंट चाहे वह बराक ओबामा रहे हो या जोए बाइडन, यहां तक कि जॉर्ज बुश,सीनियर,जूनियर, विश्व राजनीतिक दखल तो रखते हुए सौम्यता बनाए रखते थे।हालांकि 50 वर्षों में मध्य पूर्व एशिया में अमेरिका ने सऊदी अरब, कुवैत, यमन, दोहा जद्दा, बहरीन, आबुधाबी को अपने रखा कवच में रखा है और वहां पर अमेरिका के सैनिक अड्डे, हवाई जहाज है।

लेकिन इसराइल को उन्होंने विशेष रूप से सृजित किया है। इसराइल के पास आज ईरान,इराक,जैसे बड़े से अधिक सैन्य क्षमता है। यह सब अमेरिका का किया धारा है।ईरान भी कट्टर मुस्लिम शिया देश है जबकि साउथ एशिया में अफगानिस्तान, पाकिस्तान, यूएई, सऊदी अरब, कुवैत यमन दोहा जद्दा बहरीन आबुधाबी,सभी सुन्नी मुस्लिम देश है।ईरान को केवल लेबनान, बेरुत से सहयोग मिलता है।इसी लिए उसने हिज्बुल्लाह,हमास, अलकायदा, तालिबान, मिलेशिया को पनपा रखा है। ईरान का इतिहास भी कम रक्त रंजित नहीं है।यहां भी 1979 से पहले राजा पहलवी की किंग डम थी लेकिन अयातुल्ला खोमानी नामक कट्टर पंथी ने इस्लामिक क्रांति कर दी और ईरान का खुला पन जाता रहा है महिलाओं पर बेहद कड़े कानून लागू हुए ।1989 में अयातुल्ला खोमानी की निधन के बाद से 37 वर्ष से अली खुमेनई का शासन है। ईरान इसराइल से निपटने के लिए परमाणु हथियारों को हासिल करना चाहता था उसने 90 फीसदी तक यूरेनियम का परिशोधन कर लिया था। लेकिन अमेरिका ने अगस्त 2025 में उनका परमाणु हथियार बनाने वाला स्थान पर बमबारी की । दरअसल सऊदी अरब कुवैत यमन दोहा जद्दा बहरीन आबुधाबी, सभी चाहते हैं कि ईरान मध्य पूर्व में मुस्लिम देशों का नेता बनना चाहता है। ईरान के पूरे विश्व का 22 फीसदी क्रूड ऑयल भंडार है जो वेनेजुएला के बाद दूसरे स्थान पर है।

ईरान के लिए कांग्रेस इतनी दुखी क्यों है

राजेश कुमार पासी

जब से अमेरिका और इसराइल ने ईरान पर हमला किया है, तब से पूरी कांग्रेस गहरे दु:ख में डूबी हुई है। कांग्रेस की प्रतिक्रिया से ऐसा लग रहा है कि जैसे देश पर ही हमला हो गया हो। मेरा तो मानना है कि अगर देश पर हमला हो जाये, तब भी कांग्रेस इतनी दु:खी नहीं हो सकती, जितनी ईरान पर हमले से दु:खी नजर आ रही है । कांग्रेस की प्रतिक्रिया से यह संदेश निकल रहा है कि भारत को ईरान के पक्ष में इजराइल और अमेरिका पर हमला कर देना चाहिए। सवाल यह है कि क्या ईरान भारत का इतना बड़ा दोस्त है कि उसके लिए अपनी बर्बादी को आमंत्रित करके देश को युद्ध की आग में झोंक दिया जाए। ईरान पर हमले के विरोध में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने एक लेख लिखा है, जो देश के कुछ प्रमुख समाचार पत्रों द्वारा प्रकाशित किया गया है। इस लेख के माध्यम से केंद्र सरकार पर निशाना साधा गया है कि वो ईरान के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। सोनिया गांधी कई बार लेख लिख चुकी है और ज्यादातर इस्लामिक मुद्दों पर ही लिखे गए हैं। उन्होंने मोदी सरकार को गाजा की समस्या के लिए भी कई बार घेरा है। अजीब बात है कि उन्हें देश में कोई समस्या नजर नहीं आती, जिसके लिए वो लेख लिखें। जो कांग्रेस दिन-रात मोदी सरकार को कोसती रहती है, उसे देश में कोई समस्या नहीं दिखाई देती। विपक्ष का काम है कि वो सरकार का विरोध करे, लेकिन विरोध का मुद्दा तो कम से कम देशहित और लोकहित होना चाहिए। भारत ने ईरानी नेता खामनेई की मौत पर शोक व्यक्त कर दिया है, लेकिन इससे कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ता है। वास्तव में कांग्रेस चाहती है कि भारत सरकार अमेरिका और इजराइल के हमले की खुलकर निंदा करे। भारत हमेशा युद्ध का विरोध करता रहा है और इस युद्ध को भी रोकने की मांग कर रहा है। कांग्रेस की मांग यह है कि प्रधानमंत्री मोदी खुद सामने आकर इजराइल और अमेरिका को ईरान पर हमले के लिए जिम्मेदार मानते हुए उनकी आलोचना करें। मोदी ऐसा करने वाले नहीं हैं, क्योंकि उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं है। मोदी ने ईरान की भी आलोचना नहीं की है, क्योंकि भारत अभी तक इस युद्ध में तटस्थ बना हुआ है।

अगर मोदी अमेरिका और इजराइल की आलोचना करते हैं तो उससे देश को कोई फायदा नहीं होने वाला है और ईरान को भी कुछ मिलने वाला नहीं है। ईरान के सबसे बड़े सहयोगी चीन और रूस ने इस हमले के लिए इजराइल और अमेरिका की निंदा की है, लेकिन ईरान को कोई फायदा नहीं हुआ। ईरान भी बेमतलब अरब देशों पर हमले कर रहा है, लेकिन भारत ने इसका भी विरोध नहीं किया है। कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप है, उसे यह भी बोलना चाहिए था कि ईरान अरब देशों पर गलत हमले कर रहा है । वास्तव में कांग्रेस को न तो ईरान की चिंता है और न ही अरब देशों से कोई मतलब है, उसे तो सिर्फ यह दिखाना है कि वो मुस्लिमों की सबसे बड़ी हितेषी है। कांग्रेस अपनी मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के लिए देश को युद्ध की आग में झोंकने को तैयार है। सवाल यह है

कि जब इसी अमेरिका ने इराक को बर्बाद किया था तो कांग्रेस ने क्या किया था, तब तो देश में उसकी सरकार चल रही थी। सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी गई तो क्यों नहीं कांग्रेस ने उसके समर्थन में सेना उतार दी। लीबिया के नेता कर्नल गद्दाफी को मार दिया गया, तब कांग्रेस की सरकार ने क्या किया था। देखा जाए तो आज से नहीं, बल्कि कई दशकों से अमेरिका पूरी दुनिया में गुंडागर्दी कर रहा है । उसने कई देशों को बर्बाद कर दिया है। क्या भारत उसको रोकने में सक्षम है, इस सवाल का जवाब कांग्रेस को देना चाहिए। सोवियत संघ के विघटन के बाद दुनिया एकध्रुवीय बन चुकी है और अमेरिका ही एकमात्र विश्वशक्ति है। ईरान पर उसका हमला गलत हो सकता है, लेकिन इजराइल का हमला गलत नहीं है। दोनों ही देश एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन हैं। ईरान पिछले कई सालों से इजराइल को बर्बाद करने के लिए कई आतंकवादी संगठनों को प्रश्रय दे रहा है। उसने इजराइल को बर्बाद करने के लिए ही हमास, हिज़्बुल्लाह और हूती जैसे खतरनाक आतंकवादी संगठन खड़े किए हैं। क्या कांग्रेस ने कभी मोदी सरकार पर दबाव बनाया कि वो इसके लिए ईरान की निंदा करे। ईरान के आतंकवादी संगठन सिर्फ इजराइल के लिए खतरा नहीं हैं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं, लेकिन कांग्रेस को इससे कोई मतलब नहीं है।

अमेरिका ने श्रीलंका के पास एक ईरानी वॉरशिप को उड़ा दिया है, जो कि भारत में हुए एक युद्धाभ्यास से लौट रहा था। कांग्रेस ईरानी वॉरशिप पर हमले के लिए भारत की जिम्मेदारी तय करने की कोशिश कर रही है। हमें उस शिप की जिम्मेदारी लेने की बात कही जा रही है, जो एक हफ्ते पहले ही हमारी समुद्री सीमा से बाहर निकल चुका था, वो श्रीलंका के नजदीक था और उसने उनसे मदद मांगी थी। नौसेना अभ्यास में 50 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया था, उन्हें उनके घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भारतीय नौसेना की नहीं थी। अंतरराष्ट्रीय सीमा में सब अपनी जिम्मेदारी पर चलते हैं, दूसरे देशों की तरह ईरान का वॉरशिप भी अपने देश वापिस गया था। वो श्रीलंका में क्या कर रहा था, इसका जवाब तो ईरान के पास होगा। कांग्रेस क्या चाहती है कि इस हमले का बदला लेने के लिए भारत अपनी नौसेना अमेरिकन नेवी के खिलाफउतार दे। कांग्रेस चाहती क्या है, उसे स्पष्ट रूप से देश को बताना चाहिए। देश तो पता चलना चाहिए कि देश की विदेश नीति में क्या गलती है। जब दुनिया में कई जगहों पर युद्ध चल रहे हैं तो भारत शांति से आगे बढ़ रहा है, क्या यही विदेश नीति की गलती है। कांग्रेस मोदी सरकार को ऐसे उकसा रही है कि वो ईरान के पक्ष में अमेरिका और इजराइल पर हमला कर दे। भारत की विदेश नीति यही है कि भारत किसी युद्ध में न उलझे और चुपचाप विकास की राह पर चलता रहे, ये नीति चीन की भी है । हम पाकिस्तान के साथ युद्ध में नहीं फंसे, जैसे ही हमने अपने उद्देश्य पूरे किए, युद्ध से बाहर निकल आये। पाकिस्तान हार चुका था, हम उसे और बर्बाद कर सकते थे, लेकिन हमारा उद्देश्य यह नहीं था। हमने उसे सबक सिखाया और युद्ध खत्म कर दिया। इसके लिए भी मोदी सरकार पर निशाना साधा गया कि अमेरिका के दबाव में युद्ध विराम किया गया है। सच तो यह है कि अमेरिका और चीन चाहते हैं कि भारत रूस की तरह एक लंबे युद्ध में फंस जाए। भारत की विदेश नीति की यह बड़ी सफलता है कि वो इस समय युद्ध क्षेत्र में किसी के पक्ष में नहीं खड़ा है।

जहां तक ईरानी वॉरशिप पर हमले की बात है, तो युद्ध के समय नियम कौन मानता है, अगर युद्ध क्षेत्र से बाहर अमेरिका ने एक युद्धपोत को निशाना बनाया है तो ईरान दूतावासों को निशाना बना रहा है । अंतरराष्ट्रीय नियम कहते हैं कि दूतावासों पर हमला नहीं किया जाएगा, लेकिन ईरान चुन-चुन कर दूतावासों पर हमले कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के एक मंत्री ने बयान दिया है कि अमेरिका ने भारत को रूस से 30 दिन तक तेल खरीदने की अनुमति दी है। इस बयान पर विपक्ष हमलावर हो गया है कि भारत अमेरिका से पूछकर सारे काम कर रहा है। सवाल यह है कि अमेरिका नहीं कहेगा तो क्या भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा । दूसरी बात है कि रूस ने अमेरिका से पहले ही बयान दे दिया था कि वो भारत को तेल की कमी नहीं होने देगा। अमेरिका की सरकार तो अपने देश में अपनी इज्जत बचा रही है कि हमने कहा तो भारत रूस से तेल खरीद रहा है। डोनाल्ड ट्रंप क्या बोलते हैं, उन्हें भी पता नहीं होता, ऐसा ही हाल उनके मंत्रियों का भी है। रोज अपना बयान बदल देते हैं, ईरान युद्ध में उनके बयानों पर उनकी जमकर छीछालेदर हो रही है, लेकिन भारतीय विपक्ष के लिए उनका बयान सत्यवचन हैं। जो आदमी अपने घर में ही मजाक का पात्र बन गया है, उसके बयानों को भारत का विपक्ष बहुत गंभीरता से लेता है। जब वो कहता है कि मोदी बहुत महान नेता हैं, तो उसे सुनाई नहीं देता। वास्तव में कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण की

राजनीति का खेल खेल रही है। अपने आपको मुस्लिमों का एकमात्र हमदर्द साबित करने के खेल में कांग्रेस विपक्ष से आगे निकलना चाहती है। वास्तव में कांग्रेस भाजपा के खिलाफनहीं, बल्कि अन्य विपक्षी दलों के खिलाफमुहिम चला रही है। ईरान के मुद्दे पर वो मोदी सरकार पर इसलिए जबरदस्त तरीके से हमलावर है, कि देश के मुस्लिम समाज को संदेश दिया जा सके कि उनके धार्मिक मुद्दों की वही रक्षक है। पूरी तरह से मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर चलते हुए कांग्रेस विपक्ष से वो मुस्लिम वोट बैंक वापस लेना चाहती है, जिस पर कभी उसका पूरा कब्जा था। कांग्रेस को अपनी राजनीति के लिए देश की विदेश नीति पर सवाल नहीं खड़े करने चाहिए। विदेश नीति पर राजनीति करना सही नहीं है, क्योंकि इससे पूरी दुनिया में गलत संदेश जाता है। कांग्रेस को समझना होगा कि उसकी ओछी राजनीति उसको ही बर्बाद कर रही है। भाजपा को उसकी मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति थोड़ा सा भी नुकसान नहीं पहुंचा सकती, बल्कि कुछ फायदा ही पहुंचा सकती है। विपक्षी दल उसकी राजनीति को समझ रहे हैं, इससे विपक्षी एकता को खतरा पैदा हो सकता है।

जीत की रीत का नया गीत

घनश्याम बादल

देश और क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदों पर खरे उतरते हुए आखिरकार भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप का तोहफा देश को दिया है । इतिहास और पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए फाइनल से पहले जिस तरह सबकी दिल की धड़कनें बढ़ी हुई थी वह इन खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती थी। इससे पहले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर हर बार हार का सामना करना पड़ा था न्यूजीलैंड से टी 20 वर्ल्ड कप में हर बार हार मिली थी और कोई भी टीम लगातार दो बार टूर्नामेंट जीत कर खिताब नहीं बचा पाई थी साथ ही साथ अब तक किसी भी देश ने तीन बार टी 20 का वर्ल्ड कप नहीं जीता था लेकिन चुनौतियों और उतार-चढ़ाव से पर पाते हुए इस भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है।

टी-20 विश्व कप पर लगातार दूसरी बार कब्ज़ा केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट की सामूहिक प्रतिभा, धैर्य, रणनीति और संघर्ष की अद्भुत गाथा है। यह जीत उस लंबे सफ़र का परिणाम है जिसमें कठिन चुनौतियाँ, विवाद, हार-जीत के उतार-चढ़ाव और खिलाड़ियों की अथक मेहनत शामिल रही।

इस विश्व कप का सफ़र आसान नहीं था। टूर्नामेंट से पहले ही उपमहाद्वीप की राजनीति का असर खेल पर दिखाई दिया। पाकिस्तान और बांग्लादेश से जुड़े विवादों तथा विभिन्न कूटनीतिक तनावों ने प्रतियोगिता का मज़ा किरकिरा करने में कोई कमी नहीं छोड़ी । ऐसे में भारतीय टीम को न केवल मैदान पर बल्कि मानसिक रूप से भी संतुलित रहना पड़ा।

प्रतियोगिता के दौरान स्टीम ने अपने ग्रुप के दूसरे सारे मैच जीते लेकिन दक्षिण अफ्रीका से मिली हार ने बड़ा झटका दिया। बेशक उस टीम का आत्मविश्वास डगमगा गया होगा. डटकर आलोचना भी हुई कोच और कप्तान ने भी कड़ा रुख अपनाया लेकिन सच कहें तो उसी मैच ने यह संकेत दिया कि भारतीय टीम अजेय नहीं है और यदि रणनीति में ढिलाई बरती तो विरोधी टीमें अवसर का लाभ उठा सकती हैं।

महान टीमों की पहचान होती है कि वे हार से टूटती नहीं बल्कि सीखती हैं। भारत ने भी यही किया,रणनीति बदली, संयोजन सुधारा और

लगातार असफल हो रहे अभिषेक और मौके पर पटरी से उतरी गेंदबाजी कर रहे वरुण चक्रवर्ती पर विश्वास जताया, अगले मैचों में और अधिक आक्रामक रूप में मैदान में उतरी और एक चोट ने सारा नज़ारा बदल दिया. परिणाम सामने है।

सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध मुकाबला इस विश्व कप का सबसे निर्णायक मोड़ था। इंग्लैंड की टीम आक्रामक बल्लेबाजी और संतुलित गेंदबाजी डरा देने वाली थी, इसलिए यह मैच भारत की वास्तविक परीक्षा था। भारतीय बल्लेबाजों ने दबाव को अवसर में बदल बड़े स्कोर का पहाड़ खड़ा किया। अप्रत्याशित रूप से बिना दबाव के विस्फोटक तरीके से खेल रहे इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजों ने अंतिम क्षणों में संयम और रणनीति के साथ इंग्लैंड की चुनौती को विफल कर फाइनल में प्रवेश किया ।

फाइनल में मिली एक तरफा धमाकेदार जीत ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम केवल किसी एक की प्रतिभा से नहीं बल्कि सामूहिक विश्वास और परिपक्वता से लैस है।

इस विश्व कप की सबसे बड़ी विशेषता यही रही कि जीत किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी टीम की थी।शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरुआत देकर टीम को मजबूत आधार दिया। तो मध्यक्रम ने उसे गति को बनाए रखा,ऑल-राउंडरों ने बैट और गेंद दोनों से निर्णायक भूमिका निभाई।

जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में तेज गेंदबाजों ने शुरुआती झटके देकर विपक्षी टीम को दबाव में रखा, जबकि स्पिनर अक्षर पटेल ने मध्य ओवरों में मैच की दिशा बदल दी। हार्दिक पांड्या ने बैट और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया तो शिवम दुबे ने विस्फोटक परी खेड़ी अब संजू सैमसन तो पूरी प्रतियोगिता में ही तारणहार बने, शिवम दुबे, ईशान किशन और तिलक वर्मा ने मौका मिलते ही अपना काम किया । फ़ाइनल में अभिषेक का जलवा उनकी पिछली विफलताओं को भुला गया। कप्तान सूर्यकुमार यादव बल्ले से भले ही नहीं चल पाए लेकिन उनकी रणनीति पूरे टूर्नामेंट में विपक्षियों की समझ से बाहर रही।

कुल मिलाकर टीम के इस प्रदर्शन को अद्भुत, अप्रतिम और शानदार ही कहा जाएगा। कुछ कमियों के बावजूद फील्डिंग भी भारतीय ताकत बनकर उभरी. अक्षर पटेल और तिलक वर्मा के कैच लंबे समय तक याद किए जाएंगे।

इस जीत का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी रहा कि भारतीय क्रिकेट अब केवल कुछ वरिष्ठ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रही। नई पीढ़ी के खिलाड़ी, युवा बल्लेबाज, तेज गेंदबाज और बहुमुखी ऑल-राउंडर अब जिम्मेदारी उठाने के लिए पूरी तरह तैयार दिखाई दे रहे हैं। यह पीढ़ी तकनीक, फिटनेस और मानसिक दृढ़ता के मामले में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम है। यही कारण है कि भारतीय टीम कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखने में सफल रही।

इस जीत से छोटे शहरों और गांवों से आने वाले लाखों युवाओं को विश्वास मिलेगा कि मेहनत और प्रतिभा से विश्व मंच पर पहुँचना संभव है।खेल अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा, क्रिकेट की सफलता खेल उद्योग, प्रसारण, प्रायोजन और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी।

आगे क्या हो?

यह जीत जितनी महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह देखना है कि देश इस उपलब्धि को खेल संस्कृति के व्यापक विकास में कैसे बदलता है। शिक्षा व्यवस्था में खेलों को अनिवार्य और व्यवस्थित बनाया जाना चाहिए। हर जिले में आधुनिक खेल मैदान और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ तो यह जीत और भी असरकारी हो जाएगी।

बेशक, भारत में क्रिकेट अत्यंत लोकप्रिय है, किंतु हॉकी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कुश्ती, बैडमिंटन, तीरंदाजी और कबड्डी जैसे ग्रामीण पृष्ठभूमि के खेलों में भी अपार संभावनाएँ हैं। यदि इन खेलों को भी संरचना और संसाधन मिलें, तो भारत बहु-खेल महाशक्ति बन सकता है।

देश की वास्तविक प्रतिभा गांवों और छोटे कस्बों में छिपी है। वहाँ से खिलाड़ियों को खोजने और प्रशिक्षित करने की व्यावहारिक और असरदार राष्ट्रीय स्तर की योजना बननी चाहिए। आधुनिक खेलों में फिटनेस, पोषण, डेटा विश्लेषण और खेल विज्ञान की भूमिका बढ़ती जा रही है। भारत को इन क्षेत्रों में भी निवेश बढ़ाना होगा।

भारतीय टीम की यह ऐतिहासिक जीत केवल क्रिकेट का गौरव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। आवश्यकता इस बात की है कि इस विजय को केवल उत्सव तक सीमित न रख, ऐसी खेल संस्कृति के निर्माण का आधार बनाया जाए जिसमें हर बच्चा मैदान तक पहुँचे, हर प्रतिभा को अवसर मिले और भारत विश्व खेल मंच पर हर क्षेत्र में चमकता दिखाई दे।

अक्सर आपने युवाओं को फोन से चिपके देखा होगा। उन्हें देखते ही आपके मन में एक ही ख्याल आता है कि बहुत ज्यादा मोबाइल फोन पर चिपके रहने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है लेकिन आपको बता दें कि आपकी ये धारणा गलत है। हाल ही में अमेरिका के नेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट ने कुछ दिलचस्प तथ्यों को खोज निकाला है।

दिमाग को सक्रिय करता मोबाइल

दिमाग की सक्रियता बढ़ाता फोन

शरीर को नुकसान पहुंचाने वाला मोबाइल फोन दरअसल दिमाग को अलग-अलग रूपों में प्रभावित करता है। अध्ययन के अनुसार, जो लोग मोबाइल से लंबे समय तक बात करते रहते हैं उनके दिमाग अधिक सक्रिय हो जाता है। इस बात को पुख्ता करने के लिए 47 वर्ष तक के लोगों पर लगभग एक साल तक परीक्षण किया गया। मोबाइल को प्रतिभागियों के दोनों कानों पर कुछ-कुछ समय के लिए प्रयोग करवाया गया। बारी-बारी से दोनों साइड्स पर 50-50 मिनट मोबाइल का प्रयोग करवाया गया। इनमें से कुछ ऐसे प्रतिभागी भी थे जो मोबाइल फोन का प्रयोग करना नहीं जानते थे।

क्या कहता है शोध

ये शोध के परिणाम पीईटी (पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी) के द्वारा जांचे गए। जिसमें पाया गया कि मनुष्य के दाईं तरफ टेम्पोनरल पोल के मोबाइल के एंटीना के संपर्क में आते ही ओरबिटोफ्रंटल कॉरटैक्स में 7 फीसदी ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। हालांकि ये अभी तक साबित नहीं हुआ है कि ग्लूकोज का बढ़ना खतरनाक है या नहीं। प्रमाणित सबूतों में ये बात साफ जाहिर है कि ग्लूकोज मोबाइल एंटीना का टेम्पोपरल पोल के संपर्क में आते ही बढ़ता है। मनोचिकित्सक का कहना है कि मनुष्य में बढ़ने वाले इस ग्लूकोज से फायदा पहुंचता है या नहीं लेकिन इसका नुकसान कुछ नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ मौकों पर इस ग्लूकोज के बढ़ने से मनुष्य का रक्त प्रवाह बढ़ जाता है और

मनुष्य अधिक एनर्जेटिक हो जाता है तथा उसकी कार्यक्षमता और प्रदर्शन पहले से अधिक अच्छा दिखाई पड़ने लगता है। हालांकि इस पर अभी और अनुसंधान जारी है। वैसे जब तक इसके नतीजे नहीं आ जाते तब तक आप अपने प्यारे गैजेट्स को सावधानी से प्रयोग करें।

तो इस जीन के कारण आती है शरीर से दुर्गंध

अगर कभी आप को अपने शरीर से आती हुई हल्की गंध महसूस हुई हो तो आप को अपनी आर्मपिट को चेक करने की जरूरत है। यदि कभी चुपके से आप अपनी बगलें सूंघे तो शायद आप उससे आने वाली बदबू से रो पड़े। आप इसे स्वीकार करें कि ऐसा होता है। हमारे शरीर में सभी बाह्य कारक जहां से हल्की गंध आती है और उसे छुपाने के लिए आप डियोड्रेंट का सहारा लेते हैं। यही कारण है कि गंध और तेज हो जाती है।

ब्रिटिश महिलाओं पर किया गया अध्यान : डर्मेटोलॉजी पर हाल ही में प्रकाशित एक लेख में लिख गया था कि 6495 ब्रिटिश महिलाओं के ऊपर गंध आने का कारण पता लगाने का अध्यन किया गया। जबाव में पाया गया कि आप के शरीर में एक जीन ऐसा होता है जो शरीर की गंध को बाहर फेकता है। जिसके कारण सभी बाह्य कारकों से हलकी गंध आती है। अगर आप गंध की पूर्व श्रेणी में आते हैं तो आप इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। यह आप के कान की गंध को भी प्रभावित करती है।

गंध से प्रभावित नहीं होते : जिन ब्रिटिश महिलाओं पर यह प्रयोग किया गया उनमे से दो प्रतिभागियों में दो प्रतिशत एबीसीसी11 जीन का एक रूप था। जिसका अर्थ है कि वे शरीर की गंध से प्रभावित नहीं होते हैं। स्टडी के को-आर्थर और जैनेटिक इपिडिमोलॉजिस्ट इयान डे ने ब्रिशटोल की यूनिवर्सिटी में लाइव साइंस में बताया कि यह एक प्रक्रिया होती है कि आप की आर्मपिट गंध का उत्पादन करती हैं या नहीं। जिसे लेकर दुनिया के कुछ भागों में व्यापक्ता है।

यह जीन बताता है गंध का निर्माण होगा : इतना ही नहीं एबीसीसी11 जीन की उपस्थिति हुक्म है कि हम शरीर की गंध को बाहर नहीं फेंकना हैं। यह भी स्थिरता है और यह हमारे कान की गंध पैदा करती है। अगर आप के कान से कुछ चिपचिपा पदार्थ निकलता है तो यह अच्छा है। जिससे यह साबित होता है कि आपकी आर्मपिट वह केमिकल बना रही हैं जो आर्मपिट में गंध के आदेश का आर्डर करता है। लेकिन अगर आप का कान सूखा हुआ है तो यह एक अच्छा संकेत है कि आप को बदबूदार जीन की जरूरत नहीं है।

मोटी महिलाओं के बच्चों में होता है ऑटिज्म का खतरा

मोटापे और मधुमेह की शिकार महिला के गर्भ में पल रहे शिशु में छठे महीने के दौरान आकार बढ़ने की पांच गुणा ज्यादा संभावना होती है। एक अध्ययन के अनुसार ऐसी महिलाओं के गर्भस्थ शिशू में ऑटिज्म का खतरा भी चार गुना बढ़ जाता है। मोटापे और मधुमेह से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के बच्चों के 'ऑटिज्म' के साथ जन्म लेने का खतरा चार गुना अधिक रहता है। ये बात अनुसंधानकर्ताओं ने 1998 से 2014 के बीच मां और बच्चे की 2700 से अधिक जोड़ियों का अध्ययन करके पता लगाई है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह दोनों से ग्रस्त होने वाली मां जिन बच्चों को जन्म देती है, उनमें ऑटिज्म का खतरा स्वस्थ मां से पैदा हुए बच्चों की तुलना में चार गुना अधिक होता है। वहीं गर्भवती महिला को इनमें से कोई एक समस्या, मोटापा अथवा मधुमेह होने पर बच्चों में ऑटिज्म का खतरा दोगुना होता है। ऑटिज्म एक ऐसा रोग है, जिसमें रोगी बचपन से ही परिवार, समाज तथा बाहरी माहौल से जुड़ने की क्षमताओं को गंवा देता है। यह एक तरह का न्यूरोलॉजिकल डिसॉर्डर है, जो बातचीत और दूसरे लोगों से व्यवहार करने की क्षमता को सीमित कर देता है। इसे ऑटिस्टिक स्पैक्ट्रम डिसॉर्डर कहा जाता है, क्योंकि प्रत्येक बच्चे में इसके अलग-अलग लक्षण देखने को मिलते हैं। इनमें से कुछ बच्चे बहुत जीनियस होते हैं या उनका आईक्यू सामान्य बच्चों की तरह होता है, लेकिन उन्हें बोलने और सामाजिक व्यवहार में दिक्कत होती है। कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सीखने-समझने में परेशानी होती है और वे बार-बार एक ही तरह का व्यवहार करते हैं।

जब हो पहली फिटनेस क्लास

किसी भी नई चीज की शुरुआत के दौरान हम काफी बेचैनी महसूस करते हैं। नतीजतन हम गहरे प्रेशर में आ जाते हैं या फिर हमारा आत्मविश्वास डोल जाता है। ठीक यही बात पहली फिटनेस क्लास पर भी लागू होती है। यहां ऐसे ही बातों का जिक्र हो रहा है।

छुपकर रहना

नई फिटनेस क्लास में अकसर लोग फिटनेस इंस्ट्रक्टर से छिपने की कोशिश करते हैं। मानों उनकी परीक्षा ली जा रही हो। जबकि ऐसा करने की बजाय फिट रहने के लिए इंस्ट्रक्टर से नजदीकियां बढ़ाना आवश्यक है।

इंस्ट्रक्टर की नजर

यदि आपका इंस्ट्रक्टर आपसे कहे कि उसकी नजर आप पर है तो इस बात से परेशान न हो। असल में ज्यादातर लोग अपनी नई फिटनेस क्लास में इंस्ट्रक्टर से डरते हैं। ध्यान रखें कि वे भी कभी नवसीखिए थे। अतः खुद को सबसे पिछड़ा हुआ न समझें।

पोस्चर पर नजर

मैं कैसा दिख रहा हूं, लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे? वगैरह-वगैरह। फिटनेस सेंटर में एक्सरसाइज करते वक्त इस तरह की बातें भी अकसर परेशान करती हैं। लेकिन यकीन मानिए फिटनेस क्लास में फैशन से ज्यादा कम्फर्ट मायने रखता है।

इंस्ट्रक्टर का पागलपन

नई क्लास में इंस्ट्रक्टर अकसर समझ नहीं आते। यही कारण है कि शुरुआत में हमें इंस्ट्रक्टर का अच्छा खासा खौफ रहता है। लेकिन इस विषय में परेशान होने की बजाय जरूरी यह है कि उसे समझें। उससे नजरें न चुराएं। समस्या होने पर उससे सीधे संपर्क करें।

मशीन की जानकारी

निःसंदेह इस दुनिया में हर कोई पर्फेक्ट नहीं है। ऐसे में यदि फिटनेस क्लास में आपको कोई नई मशीन दिखती है तो उस संदर्भ में फिटनसे इंस्ट्रक्टर से पूछने में हिचकिचाएं नहीं। जबकि नई क्लास में भी लोग इस सवाल को पूछने से बचते हैं।

प्रतिस्पर्धा से बचें

किसने कौन सी मशीन में एक्सरसाइज की है या किसने कितना वजन उठाया है? इस तरह के सवाल पहली क्लास में आना लाजिमी है। लेकिन आप पहले ही दिन उनसे अपनी तुलना न करने लगे। याद रखें तुलना करेंगे तो नुकसान में रहेंगे।

अकेले वार्म अप करना

अकेले वार्म अप करने में कई लोग शर्म महसूस करते हैं। लेकिन क्या आपको लगता है कि इसकी जरूरत है? बिल्कुल नहीं। शुरुआती स्तर में वार्म अप करना आवश्यक है। अतः दूसरों की अनदेखी करें और एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

तालमेल न बैठना

हो सकता है कि पहली क्लास में आपका फिटनेस सेंटर में मौजूद अन्य लोगों के साथ तालमेल न बैठे। लेकिन इसको समस्या का सबब नहीं बनाना चाहिए, न ही चिंता का विषय। इसके इतर जरूरी यह है कि उन्हें देखते हुए एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

क्या मैं सही कर रहा हूं

फिटनेस सेंटर में पहले दिन इस तरह का ख्याल भी बार बार आता है। असल में हम फिटनेस क्लास के पहले दिन खुद को कम और दूसरों को ज्यादा देखते हैं। नतीजतन बार बार खुद से यह सवाल करते हैं कि क्या हम सही कर रहे हैं। याद रखें कि अगर आपकी एक्सरसाइज गलत होगी तो इंस्ट्रक्टर खुद आपकी मदद करेंगे।

नए खून में आक्रामक व्यवहार...

इस लेख में युवाओं के को समझने का प्रयास किया गया है ताकि हमें मुद्दों की सही समझ हो और हम अपने व्यवहार में सही परिवर्तन ला सकें। आक्रामकता ऐसे भौतिक या मौखिक व्यवहार को कहते हैं जिसका मकसद किसी को चोट पहुंचाना होता है।

आक्रामकता दो तरह की होती हैं, पहली, शत्रुतापूर्ण आक्रामकता, जो गुस्से से पनपती है और इसका मकसद दूसरों को घायल करना होता है। दूसरी होती है औजार के तौर इस्तेमाल होने वाली आक्रामकता। इसमें आक्रामकता को हथियार बनाकर कोई मकसद हासिल किया जाता है और इसमें हमलावर व्यक्ति को उकसाने वाला मौलिक तत्व दूसरे को चोट पहुंचाना नहीं होता। मिसाल के तौर कोई लड़का अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी कक्षा के किसी लड़के को उसके किसी व्यवहार से खफा होकर उसे पीटता है क्योंकि वह उससे बदला लेना चाहता है। यह शत्रुतापूर्ण आक्रामकता है जो आवेश और भावनात्मक उफान से जन्मी है। दूसरी ओर किसी खास अच्छे या बुरे मकसद के लिए जुनून की तरह आक्रामकता सामने आती है जो सामाजिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा या के लिए भी हो सकती है।

बच्चा आक्रामक क्यों होता है?

एक मत यह है कि मूल प्रवृत्ति और कुंठा हमारे भीतर आक्रामकता की प्रबल भावना पैदा करती है जबकि दूसरा मत यह है कि सीखने से हमारे भीतर की आक्रामकता बाहर आती है। इसका मतलब यह हुआ कि अनुभव और दूसरों को देखने से हम यह सीखते हैं कि आक्रामकता से कुछ हासिल होता है। किसी बच्चों के आक्रामक व्यवहार से दूसरे घबरा जाते हैं तो अन्य बच्चों में यह प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका उन बच्चों से अधिक होती है, जो किसी बात का कड़ा दंड भुगत चुके होते हैं।

आक्रामकता एक जीव विज्ञान है

कुछ जैविक कारण भी आक्रामकता पैदा करते हैं जिनमें हार्मोन में परिवर्तन आना और शराब पीने से जनित आक्रामकता आदि शामिल हैं।

आपराधिक व्यवहार को समझना मनोविश्लेषण

मनोविश्लेषण के सिद्धांत के अनुसार जिस व्यक्ति में बहुत विध्वंसक प्रवृत्तियां होती हैं वह शुरुआती विकास के चरण में दबा हुआ होता है और वह अपने एवं वातावरण के बीच समायोजन नहीं कर पाता। इसका अर्थ यहां यह हुआ कि व्यक्तियों की अवधारणात्मक सोच शुरुआती स्तर पर पनपती है और यह विकसित अवस्था में नहीं बन पाती।

व्यक्तित्व के विकार

ऐसे व्यक्तियों में समाज विरोधी व्यक्तित्व के विकार भी होते हैं। इन व्यक्तियों में सामाजिक नियमों से बंधने की प्रवृत्ति नहीं होती, उनका आवेश पर नियंत्रण खराब होता है, वे बहुत आक्रामक होते हैं और उनमें पछतावे की भावना नहीं होती। ये लक्षण बहुत शुरुआत में ही पनप जाते हैं। बच्चों में इसे 'आचरण विकार' वाले व्यक्तित्व के तौर पर देखा जाता है। ऐसे बच्चे बहुत छिपाव वाले, आक्रामक और सभी नियमों को तोड़ने वाले होते हैं।

समूह मनोविज्ञान

इनमें से अनेक किशोर अपना गुट बना लेते हैं। ऐसे गुट में आपसी जुड़ाव बहुत मजबूत होता है और शुरुआती वर्षों में ही वे गुटों में शामिल हो चुके होते हैं। इस प्रक्रिया को 'निवैयक्तिकरण' कहते हैं जिसमें व्यक्ति अपना आत्मबोध खो देता है और उसमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं रह जाती। वह ग्रुप में ही सोच पाता है और उसकी अपनी पहचान खत्म होती है। वह ग्रुप में ही अपनी पहचान देख पाता है। इसी वजह से वह जो कुछ करता है, गुट में करता है और गुट न हो तो वह कुछ नहीं कर पाता।

देखकर सीखना

जब कोई बच्चा शुरूआती जीवन में हिंसा देखता है तो उसके मन में इसके प्रति संवेदनशीलता कम होती जाती है और वह बिना किसी पश्चाताप के हिंसा में संलग्न हो सकता है। जो लड़के विध्वंस और हिंसा के सम्पर्क में अधिक रहते हैं, उन पर इसका बहुत अधिक असर पड़ता है। हिंसा में लगे रहने वाले दोस्तों के सम्पर्क में रहने वाले लड़कों या आक्रामक माता-पिता के साथ जीने वालों में आक्रामकता पैदा होती है और वे हिंसा और अपराध से हिचकिचाते नहीं हैं।

अन्य कारण

सामाजिक-आर्थिक भेद की भूमिका : जो विभिन्न सामाजिक गुटों के बीच बढ़ता भेदभाव देखता है, उससे अपेक्षाकृत वंचित होने की भावना बढ़ती है। इससे युवाओं में आपराधिक व्यवहार भी बढ़ता है।

कानूनी प्रणाली : जब बड़े अपराधिक मामलों में किसी को सजा नहीं हो पाती और मामलों में देरी होती रहती है तो इससे किशोरों के मन में यह भावना पनपती है कि वे अपराध से बच निकलेंगे और इससे उनका भय कम होता है।

टेलीविजन : टीवी में काफी हिंसा दिखाई जाती है। अध्ययनों से पता चला है कि हिंसा देखने से आक्रामक व्यवहार में बढ़ोत्तरी होती है क्योंकि इससे देखने वाले की हिचक कम होती है। आक्रामक विचारों से दर्शक की हिंसा के प्रति संवेदनशीलता पर असर पड़ता है। टीवी पर हिंसा देखने का मुख्य प्रभाव हिंसा के प्रति हिचक खोना और संवेदनशीलता घटने के तौर पर होता है और वास्तविक अवधारणा तथा सीखी गई अवधारणा में विकार आता है। लिहाजा यह जरूरी है कि बच्चों को हिंसक कार्यम न देखने दिए जाएं और अभिभावक उन पर अपना सख्त नियंत्रण रखें।

नशे का इस्तेमाल

यह देखने में आया है कि किशोरों में शराब और अन्य रसायन लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसका हिंसा और आक्रामकता से सीधा संबंध है। हिंसक व्यवहार को बढ़ावा देने वाले कारक अनेक शोध अध्ययनों से निष्कर्ष निकला है कि जटिल संवादों और विभिन्न कारकों के मिलने से किशोरों और बच्चों में हिंसक व्यवहार का जोखिम पैदा होता है। इन कारकों में शामिल है -

- पिछले आक्रामक या हिंसक व्यवहार
- भौतिक या यौन प्रताड़ना का शिकार होना
- घर या समुदाय में हिंसा का सामना करना

आनुवांशिक कारण

- मीडिया, टीवी फिल्म आदि में हिंसा देखना
- शराब या नशा करना एवं घर में हथियार होना
- तनावपूर्ण पारिवारिक सामाजिक आर्थिक कारण (गरीबी, बेहद वंचित होना, शादी टूटना, तलाकशुदा मां या पिता के साथ जीना, बेरोजगारी, परिवार से समर्थन बंद होना आदि)

हिंसक व्यवहार के सिगनल क्या हैं?

जो बच्चा गंभीर हिंसक प्रवृत्ति का शिकार हो सकते हैं उनमें ये लक्षण देखे जा सकते हैं

- बेहद गुस्सैल
- अक्सर बेकाबू होना और झगड़ने पर आमादा
- बेहद चिड़चिड़ा होना
- अत्यंत आवेश में रहना
- आसानी से कुंठित होना

हिंसक व्यवहार का पैमाना

बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार जिन हदों तक जा सकता हैं वे हैं - विस्फोटक मिजाज, भौतिक आक्रामकता, लड़ाई, धमकियां और या दूसरों को चोट पहुंचाना, हथियारों का इस्तेमाल करना, जानवरों के प्रति क्रूरता, आग लगाना, सम्पत्ति को जानबूझ कर नुकसान पहुंचाना और तोड़फोड़ करना।

दुर्ग संभाग में महा जनसुनवाई- 113 प्रकरण हुए प्रस्तुत, 41 मौके पर नस्तीबद्ध

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं प्रभारी सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी, सदस्य श्रीमती दीपिका सोरी, सदस्य सरला कोसरिया द्वारा राज्य की महिलाओं को त्वरित राहत पहुँचाने के उद्देश्य से एक वृहद और संवेदनशील निर्णय लिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोग द्वारा आगामी 11 मार्च 2026 को दुर्ग संभाग के लिए महाजन-सुनवाई सप्ताह का आयोजन प्रेरणा सभा कक्ष, बालगृह परिसर पांच बिल्डिंग महिला एवं बाल विकास कार्यालय जिला-दुर्ग (छ.ग.) में किया जा रहा है। आज दुर्ग संभाग में 01 महाजन-सुनवाई व प्रदेश स्तर पर 384 वी एवं जिला स्तर पर 15 वी सुनवाई हुई। जिसमे दुर्ग संभाग के अंतर्गत आने वाले जिले दुर्ग/बालोद/बेमेतरा/कबीरधाम/मोहला-मानपुर-अंचौकी/खैरागढ़-छुईखदान-गंडई/राजनांदगांव (छ.ग.) के कुल 113 प्रकरणों की एक साथ सुनवाई की गई।

इस महा जन-सुनवाई में दुर्ग संभाग के जिला दुर्ग प्रस्तुत 62 प्रकरण में से 30 नस्तीबद्ध, जिला बालोद के 04 प्रकरण में से 01 नस्तीबद्ध, जिला बेमेतरा के 17 प्रकरण में से 04 नस्तीबद्ध, जिला कबीरधाम 04 प्रकरण में से 01 नस्तीबद्ध, जिला राजनांदगांव 14 प्रकरण में से 04 नस्तीबद्ध एवं जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ चौकी 07 प्रकरण में से 01 नस्तीबद्ध तथा जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडाई 05 प्रकरण में से 0 नस्तीबध्द किया गया। कुल 113 प्रकरण में से 41 प्रकरण नस्तीबद्ध किये गये। दोनो पक्षों के कुल 155 पक्षकारों ने पंजीयन कराया था बाकी पक्षकार अनुपस्थित रहें, जिसमें आगामी निराकरण हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया जायेगा।

सुनवाई के दौरान एक प्रकरण में आवेदिका उपस्थित रहीं। अनावेदकगण अनुपस्थित रहें। पिछली सुनवाई में आवेदिकागण ने बताया था कि कुछ देवार जाति की महिलाएं नकली किनर बनकर दुर्ग जिला में आंतक मचा रही है जो भटगांव में रहती है। भटगांव के अटल आवास बाम्बे आवास में रहती है जिसे आवेदिकागण पहचानती है, और उनको पहचान चिन्हांकित, शनाख्ती करने के लिए तैयार है। इन सभी नकली किनर का मेडिकल परीक्षण कराकर उनके खिलाफ कडी प्रतिबांधत्मक कार्यवाही करें। और सभी का फोटो समाचार पत्रो में प्रकाशित करे ताकि आम जनता को नकली किनर बनकर लूटपाट बंद करें। इस हेतु महिला थाना प्रभारी नीता राजपूत आवेदिकागण के साथ मिलकर काम करेगी।

खबर-खास

जिले में खनिजों के अवैध परिवहन पर की जा रही निरंतर कार्रवाई

बालोद (समय दर्शन)। कलेक्टर दिव्या मिश्रा के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिजों के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसके अंतर्गत 10 एवं 11 मार्च को खनिज विभाग की टीम द्वारा गुरूर विकासखण्ड का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अवैध परिवहन करते पाये जाने के कारण खनिज रेत के 08 एवं मिट्टी के 01 सहित कुल 09 वाहनों को जप्त किया गया है। जिसमें 02 हाईवा व 04 ट्रेक्टर मय ट्रॉली थाना आरक्षी केन्द्र मरकाटोला कैम्प, 01 हाईवा थाना आरक्षी केन्द्र कंवर, 01 हाईवा थाना आरक्षी केन्द्र सनौद तथा 01 ट्रेक्टर मय ट्रॉली थाना आरक्षी केन्द्र गुरूर के अभिरक्षा में रखा गया है। उन्होंने बताया कि इन सभी प्रकरणों में खान व खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के प्रावधानों के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी अवैध परिवहन के मामलों में इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी जिससे जिले के खनिज संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

महतारी वंदन योजना से बढ़ा आत्मविश्वास, चंद्रिका बाई बनीं परिवार की सहारा

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संचालित महतारी वंदन योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत कर रही है।

जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम लोहर्सी निवासी श्रीमती चंद्रिका बाई साहू भी इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। पहले घर की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए उन्हें दूसरो पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे कई बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। महतारी वंदन योजना के तहत अब उन्हें हर महीने एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। इस राशि से वे अपने दैनिक खर्चों के साथ-साथ बच्चों की छोटी-मोटी जरूरतें भी आसानी से पूरी कर पा रही हैं। इससे उनके जीवन में आर्थिक संबल के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा है। श्रीमती चंद्रिका बाई बताती हैं कि वे अपने छोटे से खेत में बाड़ी लगाकर सब्जियां उगाती हैं और समय-समय पर मजदूरी कर परिवार की आय बढ़ाने में भी सहयोग करती हैं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए सहारा बन गई है, जिससे घर की जरूरतों को पूरा करना पहले से आसान हो गया है। उन्होंने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि यह योजना प्रदेश की महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इससे महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं और परिवार के निर्णयों में भी उनकी भागीदारी बढ़ रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले की एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा अंतर्गत वर्तमान में नवीन स्वीकृत पद एवं रिक्त पद हेतु आ.बा. कार्यकर्ता/सहायिका के पद पर शासन द्वारा निर्धारित निर्देश एवं मानदंडों के अनुसार नियमानुसार नियुक्ति किया जाना हैं। इसके अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना विकासखण्ड बेमेतरा नगर पालिका वार्ड नं. 18 केंद्र क्र. 1 (वर्तमान वार्ड 21) मे आं.बा. कार्यकर्ता के 01 पद, विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम पंचायत खिलौरा एवं विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम पंचायत झिरिया के में आगनबाड़ी केंद्र क्र. 02 पर सहायिका के 01 पद पर आवेदन आमंत्रित किया गया हैं। आवेदन संबंधित नगरीय की आवेदिकाओ द्वारा आवेदन पत्र भरकर निर्धारित तिथि में 12 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय बेमेतरा में कार्यालयीन समय 10:00 से 5:30 बजे तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक द्वारा जमा किये जायेगे। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जावेगे।

आंगनबाड़ी सहायिका के पद हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8 वीं व आगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12 वी बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना चाहिए।

नगर निगम दुर्ग में कचरा प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था, एसएलआरएम सेंटरों में हो रहा वैज्ञानिक निष्पादन

गीले कचरे से बन रही खाद, सूखा कचरा अधिकृत रिसाइकलर को किया जा रहा विक्रय

सोनकर बाड़ी में लगी आग पर निगम की त्वरित कार्रवाई, मिट्टी डालकर बुझाई गई

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर से एकत्रित किए जा रहे कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जा रहा है। शहर से संग्रहित कचरे को निगम अंतर्गत स्थापित 10 एस.एल.आर.एम. सेंटरों में लाकर गीले एवं सूखे कचरे में पृथक किया जाता है तथा उसका उचित निष्पादन किया जा रहा है। इन एस.एल.आर.एम. सेंटरों में ट्रॉमिल मशीन, इंसीनरेटर मशीन तथा कम्पोस्ट मशीन स्थापित हैं, जो निरंतर कार्य कर रही हैं। गीले कचरे से खाद का निर्माण किया जा रहा है, वहीं सूखे कचरे जैसे कागज, कार्डबोर्ड, कांच एवं धातु आदि को अधिकृत रिसाइकलर को विक्रय किया जाता है। योग्य नहीं होती है, उसे बेलिंग मशीन के माध्यम से पैक कर शासन द्वारा अधिकृत जे.के. लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड, अहिवारा को भेजा जाता है, जहां उसका उपयोग निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जाता है। नगर निगम द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि शहर में कहीं भी बिना अनुमति के कचरे का अवैध डम्पिंग नहीं किया जा रहा है और समस्त कचरे का निष्पादन निर्धारित एसएलआरएम सेंटरों के माध्यम से ही किया जा रहा है। सोनकर बाड़ी क्षेत्र में आग लगने के संबंध में प्रकाशित समाचार के संदर्भ में मौके पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि खेत मालिक द्वारा अपनी फसल की कटाई के बाद बची पराली को एकत्रित कर जलाया गया था, जिससे धुआं फैल गया। नगर निगम दुर्ग की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर मिट्टी डालकर आग को तत्काल बुझा दिया गया।

धान खरीदी में भारी अनियमितता से राज्य को हजारों करोड़ का नुकसान: व्यास कश्यप विधायक

जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने विधानसभा में उठाए गंभीर सवाल*

जांजगीर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में खाद्य विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप ने राज्य में धान खरीदी, भंडारण और मिलिंग व्यवस्था में गंभीर अनियमितताओं का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि धान खरीदी और कस्टम मिलिंग की अव्यवस्था के कारण राज्य को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों तथा संबंधित लोगों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

विधानसभा में चर्चा के दौरान विधायक कश्यप ने कहा कि वर्ष 2024-25 में कस्टम मिलिंग के लिए 1,28,61,832 मीट्रिक टन धान दिया गया था, लेकिन इसके एवज में केवल 79,69,000 मीट्रिक टन चावल ही जमा किया गया। इस प्रकार लगभग 6,59,000 मीट्रिक टन चावल जमा नहीं हुआ, जिससे लगभग 3,869 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर इस पूरी व्यवस्था के कारण राज्य को लगभग 8,500 करोड़ रुपये तक की क्षति हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ के इतिहास में यह पहली बार है जब सरकार धान की सुरक्षा और प्रबंधन में इतनी असफल साबित हुई है। कश्यप ने यह भी बताया कि जांजगीर-चांपा जिले के अमरताल संग्रहण केंद्र में लगभग 15 करोड़ 15 लाख 71 हजार 400 रुपये मूल्य का धान गायब पाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी परिसर में पर्याप्त जगह होने के बावजूद धान को निजी स्थानों पर रखवाया गया, जिससे अनियमितताओं और नुकसान की आशंका बढ़ गई। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

विधानसभा में चर्चा के दौरान कश्यप ने धान खरीदी केंद्रों में नियुक्त अध्यक्षों और प्रभारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर अध्यक्ष और प्रभारी मिलकर अनियमितताएं कर रहे हैं, जिससे शासन को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि जिन अधिकारियों या कर्मचारियों पर अनियमितता के आरोप हैं, उन्हें तत्काल निलंबित या बर्खास्त किया जाए और पूरे प्रदेश में इसकी जांच कराई जाए।

धान खरीदी के लक्ष्य को लेकर भी विधायक कश्यप ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा था, लेकिन वास्तविकता में लगभग 141 लाख मीट्रिक टन ही धान खरीदा जा सका। इससे बड़ी संख्या में किसान अपना धान बेचने से वंचित रह गए। उन्होंने कहा कि कई किसान सहकारी बैंकों से ऋण लेकर खेती करते हैं और यदि उनका धान नहीं बिकेगा तो वे ऋण से मुक्त नहीं हो पाएंगे।

चर्चा के दौरान वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी और अन्य मंत्रियों के साथ भी इस विषय पर संवाद हुआ। वित्त मंत्री ने कहा कि किसानों को धान बोनस दिया जा रहा है और सरकार किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है।

कलेक्टर ने ली निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने दी सख्त चेतावनी

बेमेतरा(समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष (दिशा भवन) में जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन विभाग, नगरीय निकाय, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने लंबित निर्माण कार्यों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने उन परियोजनाओं की सूची तलब की जो निर्धारित समय-सीमा के बाद भी अधूरी हैं। साथ ही संबंधित ठेकेदारों एवं अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए रैंडम सैंपलिंग एवं लैब टेस्ट रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों का भौतिक सत्यापन हो चुका है, उनके भुगतान में अनावश्यक देरी न की जाए ताकि कार्यों की गति बनी रहे। कलेक्टर ने वर्षा ऋतु से पूर्व सभी निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नाली निर्माण, सड़क मरम्मत तथा पुलिया निर्माण जैसे कार्यों को मानसून शुरू होने से पहले अनिवार्य रूप से पूरा करने कहा, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को मुख्य मार्गों के डामरीकरण और अधूरे भवनों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगरीय निकायों को अमृत मिशन और शहरी सौंदर्यीकरण के कार्यों में तेजी लाने को कहा गया। वहीं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग को पंचायत स्तर पर बन रहे सामुदायिक भवनों और स्कूल मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

बिजली शिफ्टिंग कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश

कलेक्टर ने विद्युत विभाग को निर्माण स्थलों पर बिजली शिफ्टिंग के कार्यों को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि सिविल निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि विकास कार्य जनता की सुविधा के लिए हैं। यदि किसी भी एजेंसी या ठेकेदार की लापरवाही के कारण कार्य में देरी होती है, तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित निर्माण कार्यों का साप्ताहिक निरीक्षण करने और वास्तविक स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए।

पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा प्रथम चरण का तीन दिवसीय दौरा ग्राम पंचायत अंडोला में समापन

सारँगढ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ जिला इकाई सारंगढ़ बिलाईगढ़ के तत्वधान में जिला उपाध्यक्ष अमित जायसवाल जी के नेतृत्व एवं प्रदेश उपाध्यक्ष खिलन प्रसाद साहू और प्रदेश महासचिव तुलेश दास महंत जी के अध्यक्षता में पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा का प्रथम चरण का तीन दिवसीय दौरा आंदोला में समापन हुआ जहां पिछड़ा वर्ग के तमाम सरपंचों को ज्ञापन सौंपा गया जिसमे पिछड़ा वर्ग एवं भीम आर्मी के तमाम कार्यकर्ता, सदस्यगढ़ शामिल रहे।

पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा प्रथम चरण में 12 पंचायतों में गांव- गांव, कस्बा- कस्बा जाकर अपने पिछड़ा वर्ग समाज को जागरूक किया और अपने संविधानिक अधिकार को लेकर युवा, बुजुर्ग, बड़े, सभी को बताया गया और तमाम सरपंच महोदय जी के माध्यम से ज्ञापन देकर उनको इस मुद्दा को लेकर आप तमाम पिछड़ा वर्ग के मंत्रीयों, राज्य एवं केंद्र पिछड़ा वर्ग आयोग, राज्यपाल, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री जी को प्रतिलिपि में दिया गया हैं ताकि यह मुद्दा संसद, विधानसभा में गूंजे और पिछड़ा वर्ग समाज को उसका संविधानिक हिस्सा,अधिकार मिल सके. क्योंकि पिछले 25 वर्षों से सर्व पिछला वर्ग उनके वास्तविक संविधानिक हिस्सा , अधिकार से वंचित रखा हैं जबकि हमारा संविधानिक अधिकार हैं कि हमें ऑर्टिकल 340, आर्टिकल 15/4,आर्टिकल 16/4, तहत सामाजिक, आर्थिक रुप से पिछड़े पन को दूर करने का प्रावधान हैं। भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधी का कहना हैं कि यदि सरकार हमारी संविधानिक मांगे को जल्द से जल्द पूरा नहीं करती हैं तो हम सर्व पिछड़े वर्ग समाज को प्रदेश भर में पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा के माध्यम से लोगों को जागरूक करके सरकार को आईना दिखाना का काम करेंगे और 2028 में सर्व पिछड़ा वर्ग समाज बताएगा पिछड़ा वर्ग क्या कर सकता हैं।

भाजपा छत्तीसगढ़ को नशागढ़ और अफीम चटाकर उड़ता छत्तीसगढ़ बना रही है - नागेंद्र गुप्ता

विरोध में भाजपा कार्यालय घेराव

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की पहचान धान का कटोरा के रूप में रही है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रदेश को नशे का कटोरा और अफीम चटाकर उड़ता छत्तीसगढ़ बनाने की दिशा में काम करती दिखाई दे रही है। इसके विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला भाजपा कार्यालय का घेराव किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री नागेंद्र गुप्ता ने बताया कि दुर्ग जिले के समोदा गांव में भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के पूर्व पदाधिकारी वर्तमान में चावल संस्करण प्रकल्प के अध्यक्ष विनायक ताम्रकार व्यक्ति द्वारा लगभग 10 एकड़ भूमि पर अफीम की खेती किए जाने का मामला सामने आया है। इससे स्पष्ट होता है कि राज्य की भाजपा सरकार नशे के कारोबार को संरक्षण दे रही है और प्रदेश के युवाओं को नशे की ओर धकेलने का काम कर रही है पिछले दो वर्षों में शराब, गांजा, अफीम और हेरोइन जैसे सुखे नशे के कारण प्रदेश की युवा पीढ़ी में नशे की लत गंभीर रूप ले चुकी है। चंद पैसों के लालच में सत्तासीन लोग नशे के बढ़ते कारोबार को रोकने के बजाय उसे संरक्षण दे रहे हैं, जिससे प्रदेश की सामाजिक व्यवस्था और युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है।

गुप्ता ने सवाल उठाते हुए कहा कि किसानों के खेतों की गीदावरी की गई थी और धान बेचने के समय प्रशासनिक अधिकारी किसानों के खेत, कोठार और घरों में जाकर धान का भौतिक सत्यापन किया था तो ऐसे में लगभग 10 एकड़ में अफीम की खेती होने के बावजूद प्रशासन को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई ? यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि इस अवैध खेती को किस भाजपा नेता का संरक्षण प्राप्त है उन्होंने कहा कि यह भी जांच का विषय है कि संबंधित व्यक्ति ने कितना धान बेचा, कितनी सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा किया और अफीम को कहां-कहां तथा किन माध्यमों से बेचा जाता था। क्या यह सारा अफीम प्रदेश में ही खपाया जा रहा था और छत्तीसगढ़ के भोले-भाले नौजवानों को अफीम चटाकर उड़ता छत्तीसगढ़ बनाने की साजिश रची जा रही थी ? इन सभी सवालों का जवाब भारतीय जनता पार्टी को देना(होगा इसी के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर 12 मार्च 2026 को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में भाजपा कार्यालयों का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसी कड़ी में जांजगीर-चांपा रोड स्थित जिला भाजपा कार्यालय का घेराव जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में 12 मार्च को शाम 3 बजे किया जावेगा जिसमें जिले के सभी विधायक गण, पदाधिकारी जनप्रतिनिधि गण कांग्रेस के सभी मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे पुलिस ने अभी लगभग 7 करोड़ का अफीम बरामद किया है।

खोखरा जेल में जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त छापामार कार्रवाई, सभी बैरकों की हुई सघन तलाशी

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिले के खोखरा स्थित जेल में उस समय हड़कंप मच गया जब जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम औचक निरीक्षण और छापामार कार्रवाई के लिए पहुंची। कार्रवाई के दौरान प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने जेल परिसर के सभी बैरकों की सघन तलाशी ली तथा जेल की रसोई और अन्य स्थानों का भी बारीकी से निरीक्षण किया।

इस संयुक्त छापामार कार्रवाई में जिला प्रशासन की ओर से एडिशनल कलेक्टर, तहसीलदार एवं अन्य राजस्व अधिकारी शामिल थे, वहीं पुलिस विभाग की ओर से पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय ठ्क्कर के निर्देशन में **ASP** श्री उमेश कुमार कश्यप, उप पुलिस अधीक्षक अजाक सतरूपा तारम एवं सीएसपी जांजगीर योगिताबाली खापर्डे पुलिस की टीम मौजूद रही। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल के सभी बैरकों में जाकर तलाशी अभियान चलाया और सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ कैदियों के रहने और भोजन व्यवस्था का भी जायजा लिया। इसके अलावा जेल की रसोई, परिसर और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार वर्ष में दो बार जेल का औचक निरीक्षण करने का प्रावधान है। इसी के तहत जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने खोखरा जेल का निरीक्षण किया।

जनदर्शन में प्राप्त आवेदन पर प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देश पर कलेक्टर जनदर्शन में मिली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आज शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाया गया। जिसके अंतर्गत वार्ड क्रमांक 60 कातुलबोड़ क्षेत्र में सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। जनदर्शन में प्रस्तुत आवेदन में बताया गया था कि पुष्पक नगर मार्ग में फल-सब्जी के ठेले एवं अस्थायी दुकानों द्वारा सड़क किनारे अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे मार्ग संकरा हो गया था और आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने नगर पालिक निगम दुर्ग के संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निर्देश प्राप्त होते ही नगर निगम की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर सड़क किनारे लगाए गए ठेले एवं अन्य अस्थायी अतिक्रमण को हटवाया गया, जिससे मार्ग को पुनः व्यवस्थित किया गया और आवागमन सुचारू हुआ। इसी प्रकार जनदर्शन में उरला क्षेत्र से प्राप्त एक अन्य शिकायत में शासकीय सार्वजनिक मार्ग पर अवैध निर्माण कर प्लेटफॉर्म एवं सीढ़ी बनाए जाने की जानकारी दी गई थी, जिसके कारण मार्ग प्रभावित हो रहा था।

कमला कॉलेज में छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में उच्च शिक्षा विभाग के रूसा 2.0 के अंतर्गत मनोविज्ञान तथा वुमन सेल के तत्वाधान में छः दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन प्राचार्या डॉ. अंजली अवधिया के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बसंत कुमार सोनबेर है, जिसका उद्घाटन समारोह आज दिनांक 09.03.2026 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजली अवधिया ने स्वागत उद्बोधन में लैंगिक समावेशन एवं समानता पहल संवेदीकरण कार्यक्रम की आवश्कता पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. सुनीता पाठक (फाऊंडर स्टूसी नेशनल ऑर्गेनाईजेशन फॉर वुमैन इम्पॉवरमेंट) ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम महिला नहीं बल्कि इंसान है, इस भावना को प्रतिपादित करते हुए आदर्शवाद और मार्क्सवाद पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम की अगली कड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत श्रीमती रामकुमारी धुर्वा द्वारा गायन प्रस्तुत किया गया तथा अंत में सत्य रंजन भट्टाचार्य के द्वारा कार्यक्रम में सहभागी प्राध्यापकों को एक एक्टीवीटी के माध्यम से उनके लैंगिक समावेशी भावना का आंकलन किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर डॉ. मोना माखीजा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीता एस. नायर के द्वारा किया गया और कार्यक्रम में सभी प्राध्यापकों की उपस्थिति एवं सहयोग रहा तथा बड़ी संख्या में छात्रायें उपस्थित थी।

खबर-खास

नामदेव समाज ने रंग पंचमी पर रंग-गुलाल और मिठाई के साथ दिया एकता का संदेश

कवर्धा (समय दर्शन)। भोजली तालाब के पास स्थित नामदेव सामाजिक भवन में रंग पंचमी के अवसर पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रंगों के इस उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

कार्यक्रम के दौरान डीजे और नगाड़े की ताल पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। एक-दूसरे को लाल, पीला, हरा और नीला रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और प्रेम, भाईचारे तथा सामाजिक एकता का संदेश दिया। इसके साथ ही महिलाओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर त्योहार की खुशियां साझा कीं और आपसी स्नेह व सौहार्द को और मजबूत किया। पूरे परिसर में रंग-गुलाल, संगीत और खुशियों का माहौल देखने को मिला।

महिला टीम की सदस्यों ने बताया कि नामदेव सामाजिक भवन में समाज की गतिविधियां लगातार संचालित होती रहती हैं। प्रत्येक माह समाज की बैठक आयोजित की जाती है, जिसके पश्चात धार्मिक वातावरण में रामायण पाठ का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही हिंदू धर्म से जुड़े विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं, जिनमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी रहती है।

महिलाओं ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और एकजुटता को मजबूत करते हैं। होली और रंग पंचमी जैसे त्योहार लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर एक साथ आने और खुशियां साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर नामदेव समाज कल्याण समिति के पदाधिकारी, महिला टीम की सदस्याएं तथा समाज के कई सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर रंग पंचमी और होली के इस पर्व को यादगार बनाया।

सतनामी समाज के होनहार संजय डहरिया का कलेक्टर ने किया सम्मान

महासमुन्द (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट विनय कुमार लंगेह महासमुंद ने यूपीएससी रिजल्ट 2025 में सफलता हासिल करने पर संजय डहरिया को बधाई शुभकामनाएं देते हुए गुलदस्ता और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया ।

कलेक्टर ने कहा यूपीएससी की लिस्ट में आना बहुत बड़ी बात है। आपने शारीरिक परेशानी को साइड कर बड़ी अचीवमेंट किया है ।आप अपने माता पिता,परिवार और समाज का नाम रोशन किया है। अब इस अवसर को अपने परिवार और समाज को देने का समय है। आगे अपनी सर्विस के दौरान पब्लिक के लिए भी बेहतर कार्य करेंगे, हमारी ओर से हार्दिक बधाईयां व शुभकामनाएं।

कोटवर जिला संगठन का चुनाव सम्पन्न, धनीराम मानिकपुरी बने अध्यक्ष

सारंगढ़ -बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले कोटवर संघ के जिला अध्यक्ष का गठन रुका हुआ था जिसे अब 10 मार्च 2026 को जिला स्तर पर संगठन का चुनाव संपन्न हुआ। इस दौरान सभी तहसीलों के अध्यक्षों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष का चयन किया गया। बैठक में धनीराम मानिकपुरी को जिला अध्यक्ष चुना गया। वहीं संगठन को मजबूत बनाने के लिए अन्य पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गई। बरमकेला के गिरधारी चौहान को उपाध्यक्ष बनाया गया। सचिव पद पर सरसीवा के नवरत्न दास मानिकपुरी को जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा कीर्तन दास मानिकपुरी, छतराम चौहान (बिलाईगढ़), आलोक कुमार (डूंगरीपाली), दयाराम चौहान (बरमकेला), शंकर दास मानिकपुरी और दिलीप मानिकपुरी को भी जिला पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने और सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस मौके पर सभी तहसील अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं ने नवगठित टीम को बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी।

अवैध नशीली दवाई बिक्री/परिवहन करते एक आरोपी गिरफ्तार

बसना (समय दर्शन)। महासमुन्द पुलिस द्वारा अवैध नशीली दवाई बिक्री/परिवहन करने वाले के विरूद्ध जिले में अभियान चलाया जा रहा है। एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स द्वारा अवैध प्रतिबंधित नशीली दवाई की तस्करी पर प्रभावी एवं विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। जिले में पुलिस के द्वारा लगातार चेंकिंग कार्यवाही की जा रही है इसी दरमियान सूचना मिली की दिनांक 10/03/2026 को मुखबीर सूचना पर संतोष पोर्ते पिता कार्तिक राम पोर्ते उम्र 31 साल साकिन भूलका सरायपाली थाना बसना जिला महासमुंद छ0ग0 के कब्जे से अवैध अवैध नशीली विसेरेक्स कफ सिरप कुल 07 नग प्रत्येक 100 एमएल कुल मात्रा 700 एमएल जिसकी किमत 1424.08 रूपये, नाइट्रोजेपम टैबलेट 30 पत्ता जिसमें प्रत्येक पत्ता में 10 नग टेबलेट कुल मात्रा 300 नग प्रत्येक टेबलेट 10 एमजी वाली कुल 3000 एमजी कीमत 2193.9 रूपये, पेंटाजोसिन इंजेक्शन कुल मात्रा 69 नग प्रत्येक 01 एमएल वाली कुल मात्रा 69 एमएल कीमत 4140 रूपये, एक मोटर सायकल होण्डा हार्नेट क्रमांक सीजी 6 एचए 2710 कीमत 70000 रूपये जुमला जप्त किमत 77757.98 रूपये जप्त कर आरोपीयों के विरूध्द अपराध धारा 21 ह्रष्ठक्क्र काअपराध पंजीबद्ध किया गया संपूर्ण कार्यवाही थाना बसना पुलिस द्वारा किया गया है।

तेज गर्मी में बढ़ा लू का खतरा, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की जागरूकता पहल

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य के साथ-साथ गरियाबंद जिले में भी मौसम में लगातार परिवर्तन के बाद अब तेज धूप और गर्मी की शुरुआत हो गई है, जिससे लू लगने की आशंका बढ़ गई है ।वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग जंगलों में महुआ संकलन का कार्य बड़े पैमाने पर कर रहे हैं,लेकिन पर्याप्त मात्रा में पानी और पेय पदार्थ साथ में नहीं ले जाने के कारण कई लोग निर्जलीकरण का शिकार भी हो जाते हैं ।इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यू.एस.नवरत्न ने जिला अस्पताल सहित सभी सामुदायिक, प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों के संस्था प्रभारियों को लू से बचाव और उपचार के लिए पर्याप्त मात्रा में आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयों और ओआरएस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं ।साथ ही मैदानी स्वास्थ्य अमले और मितानिनों के माध्यम से लू लगने के कारणों और उससे बचाव के उपायों के संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता और व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि लू लगना खतरनाक और कई बार जानलेवा भी साबित हो सकता है, इसलिए समय रहते सावधानी बरतना जरूरी है ।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार लू के सामान्य लक्षणों में सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना,चक्कर आना और उल्टी होना,कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीना न आना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना भूख कम लगना तथा गंभीर स्थिति में बेहोश होना शामिल है ।ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत सावधानी बरतना और चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है।

मोहड़ गोलीकांड : कांग्रेस के दबाव का असर, आरोपी पहुंचे जेल : विपिन यादव

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के समीप ग्राम मोहड़ स्थित शिवनाथ नदी से अवैध रेत उत्खनन के लिए रची गई साजिश के दौरान हुए चर्चित मोहड़ गोलीकांड मामले में भाजपा से जुड़े मुख्य आरोपी संजय सिंह सहित अन्य आरोपियों के न्यायालय में सरेंडर कर जेल भेजे जाने पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विपिन यादव ने कहा है कि यह कांग्रेस पार्टी के लगातार संघर्ष, विरोध प्रदर्शन और प्रशासन पर बनाए गए दबाव का परिणाम है।

जिलाध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि मोहड़ में शिवनाथ नदी से अवैध रूप से रेत निकालने के लिए सुनियोजित प्रयास किया जा रहा था। जब स्थानीय ग्रामीणों ने इस अवैध कार्य का विरोध किया तो उन्हें डराने-धमकाने के लिए गोलीबारी जैसी गंभीर घटना को अंजाम दिया गया। यह घटना न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती थी, बल्कि ग्रामीणों की सुरक्षा और संस्कारधानी शहर की शांति व्यवस्था पर सीधा हमला था।

उन्होंने कहा कि घटना के बाद से ही कांग्रेस पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सरकार और प्रशासन के खिलाफविरोध प्रदर्शन कर दबाव बनाया जा रहा था। कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया था कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होने तक कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी।

विपिन यादव ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज स्वयं घटना स्थल पर पहुंचे और प्रशासन को स्पष्ट रूप से कहा कि आरोपियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। कांग्रेस के लगातार विरोध और दबाव के कारण ही आज सभी आरोपी कानून के शिकंजे में हैं और जेल पहुंच चुके हैं। जिलाध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में लगातार अवैध गतिविधियों का खुलासा हो रहा है, जिसे प्रदेश की जनता भी देख और समझ रही है। कुछ दिन पूर्व ही दुर्ग के समीप भाजपा से जुड़े एक नेता द्वारा अफीम की अवैध खेती का मामला सामने आया था, जिसने पूरे प्रदेश को चौंका दिया। प्रदेश में नशे और अवैध कारोबार के बढ़ते मामलों से साफहो गया है कि भाजपा के शासनकाल में अवैध गतिविधियां तेजी से फल-फूल रही हैं। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े अवैध कारोबारों में भाजपा से जुड़े नेताओं की संलिप्तता के मामले सामने आ रहे हैं। विकास कार्य ठप्प पड़े हैं, जबकि अवैध गतिविधियां चरम पर हैं। यह स्थिति प्रदेश की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। विपिन यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनहित, न्याय और कानून के सम्मान के लिए हमेशा संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। जिले में कहीं भी जनहित के खिलाफ कार्य होंगे, कानून व्यवस्था से खिलवाड़ किया जाएगा या जनता की सुरक्षा के साथ समझौता होगा तो कांग्रेस पार्टी मजबूती से आवाज उठाते हुए दोषियों को सजा दिलाने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करती रहेगी।

गुरुकुल ने किया मातृशक्ति का सम्मान

कवर्धा (समय दर्शन)। जनपद में शिक्षा एवं संस्कार को ध्येय मंत्र के रूप में अंगीकार करने वाली शिक्षण संस्था गुरुकुल पब्लिक स्कूल, कवर्धा हमेशा अपने सामाजिक सरोकारों एवं भारतीय संस्कृति को ध्यान में रखते हुए विविध कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिससे विद्यालय के नन्हे मुन्ने ननिहाल उनसे प्रेरित हो सकें। इसी कड़ी में विद्यालय के सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया। जिसमें नर्सरी कक्षा से उच्चतर कक्षाओं की शिक्षिकाओं का ही सम्मान नही किया गया अपितु विद्यालय के विभिन्न विभागों यथा मैस की दीदियों बस परिचारिका दीदीयों तथा परिचारिका दीदीयों का भी समवेत भाव से सम्मानित किया गया।

मीडिया प्रभारी पीजीटी हिंदी डॉक्टर विजय कुमार शाही ने बताया कि शाला के प्राचार्य मनोज कुमार राय के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के सम्माननीय अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के वरिष्ठ पदाधिकारीगण थे। सर्वप्रथम शाला प्रबंधन समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी गण एवं वरिष्ठ शिक्षिकाओं के द्वारा माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन- वंदन किया गया। प्राचार्य ने सभी का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने इस आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में मातृशक्ति का विशेष महत्व है। महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया रही हैं ।इनका सम्मान करके गुरुकुल ने इनके प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर शिक्षिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी गई जिसे सभी ने मुक्त कंठ से सराहा। शिक्षिकाओं एवं विद्यालय में कार्यरत दीदीओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए ।इस विशेष अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारीगण ने सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रदान करते आशा व्यक्त किया कि गुरुकुल नारी शक्ति की अप्रतिम प्रतिभा एवं समुचित मार्गदर्शन में अपने शैक्षिक व सांस्कारिक उद्देश्य को निश्चित ही प्राप्त करेगा।

फायर वॉचर ने जंगल में बनाई वन अग्नि निगरानी चौकी

बीजापुर (समय दर्शन)। गर्मी का मौसम शुरू होते ही जंगलों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग सक्रिय हो गया है। बीजापुर सामान्य वन मंडल के डीएफओ रमेश कुमार जांगड़े के निर्देश पर वन विभाग द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अमूल्य वन संपदा और वन्यजीवों को आग से सुरक्षित रखा जा सके। वन विभाग की टीम गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों को वनाग्नि से होने वाले नुकसान और उससे बचाव के उपायों के बारे में जागरूक कर रही है। स्थानीय बोली में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से ग्रामीणों को समझाया जा रहा है कि जंगल में आग लगाने से पर्यावरण, वन्यजीवों और आसपास रहने वाले लोगों के जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। ग्रामीणों को सूखे पत्तों की सफाई करने, ज्वलनशील पदार्थों के उपयोग से बचने और सूखी घास वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मोहम्मद अकरम चौहान पिता स्व. मोहम्मद इब्राहिम निवासी- मकान नं. 55/3, वार्ड नं. 08, तकिया पारा दुर्ग, तह. दुर्ग, जिला- दुर्ग (छ.ग.) यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम **MOHAMMAD AKRAM** को त्याग कर अपना नया नाम **MOHAMMAD AKRAM CHOUHAN** रख लिया हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय एवं अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नया नाम **MOHAMMAD AKRAM CHOUHAN** से ही जाना जावे।

MOHAMMAD AKRAM CHOUHAN
निवासी- मकान नं. 55/3, वार्ड नं. 08, तकिया पारा दुर्ग, तह. दुर्ग, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती रोशनी पालेकर पति भीरेन्द्र कुमार उम्र 34 वर्ष जाति अहिरवार निवासी ग्राम सैगोना तहसील कवर्धा जिला- कबीरधाम (छ.ग.) यह कि मेरे समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों में मेरा नाम रोशनी बर्वे पिता शिवभगत बर्वे दर्ज है। मेरे विवाह के पश्चात से मेरा नाम श्रीमती रोशनी पालेकर पति भीरेन्द्र कुमार हो गया है।

भविष्य में समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय एवं अन्य प्रमाण पत्रों में अपना नाम श्रीमती रोशनी पालेकर पति भीरेन्द्र कुमार करवाना चाहती हूं, अत: उक्त नाम से ही भविष्य में जाना/पहचाना व पुकारा जावे।

शपथकर्ता

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मिला संयुक्त प्रतिनिधिमंडल

14 अप्रैल को बसना पहुँचेंगे सीएम साय

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल की पहल: फुले-नकुल-अम्बेडकर जयंती महोत्सव बनेगा ऐतिहासिक, मुख्यमंत्री ने दी सफल आयोजन की शुभकामनाएँ

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के नेतृत्व में सर्व अनुसूचित जाति-जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आगामी 14 अप्रैल को महासमुंद जिले के बसना में आयोजित होने वाले 'फुले-नकुल-अम्बेडकर जयंती मेला महोत्सव' में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया। इस महोत्सव का उद्देश्य महात्मा ज्योतिबा फुले, संत नकुल दास और बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सिद्धांतों को समाज के बीच जीवंत करना है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रतिनिधिमंडल की आत्मीयता और आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि महापुरुषों की जयंती पर आयोजित होने वाले ऐसे कार्यक्रम केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और सामाजिक समरसता की अलख जगाने का माध्यम हैं। मैं इस आयोजन की सफलता के लिए पूरे क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएँ देता हूँ। मुलाकात के बाद विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि बसना की पावन धरा पर होने वाला यह आयोजन सर्व समाज की एकता का प्रतीक है। उन्होंने विस्तार पूर्वक कहा कि हमारा सौभाग्य है कि मुख्यमंत्री जी ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया है।

महात्मा फुले, संत नकुल दास और बाबा साहब अम्बेडकर ने शोषित और वंचित समाज को जो राह दिखाई थी, उसी राह पर चलते हुए इस विशाल मेला महोत्सव का आयोजन कर रहे हैं। यह कार्यक्रम केवल बसना ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में सामाजिक समरसता और भाईचारे का एक नया अध्याय लिखेगा। हम चाहते हैं कि इस आयोजन के माध्यम से हमारी आने वाली पीढ़ी इन महान विभूतियों के संघर्षों और उनके योगदान को गहराई से समझे।

शासकीय प्राथमिक शाला बड़ेटेमरी के छात्रों को शैक्षिक भ्रमण कराया गया

बसना (समय दर्शन)। एन ई पी 2020 के अंतर्गत बसना विकास खण्ड के संकुल केन्द्र स्थित शासकीय प्राथमिक शाला बड़ेटेमरी के समस्त छात्रों,शाला प्रबंधन समिति सदस्यगण, पालक गण, शिक्षकगण,रसोइया, स्वीपर द्वारा शैक्षणिक भ्रमण,प्रकृति एवम वन्य जीव दर्शन किया गया द्य जिसमे प्रधान पाठक वारिश कुमार, शिक्षक श्रीमती नीलम कुमार शिक्षादानी शिक्षक कु इंदु पटेल, कु पुष्पलता जगत द्वारा शैक्षिक भ्रमण दल में उपस्थित सभी को नरसिंगनाथ मंदिर का दर्शन, चाल धार में स्नान, प्राकृतिक उद्यान,कपिल धार,महात्मा गांधी प्रतिमा,बच्चो को वानर दर्शन,गौ कुंड,सीता कुंड, भीमधार,गंधमर्दन पहाड़,का प्राकृतिक दर्शन कराते हुए जानकारी दी गई। जिससे समस्त छात्रों का मन प्रफुल्लित हो उठा।

इस शैक्षणिक भ्रमण पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे , सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कँवर, विकासखण्ड स्रोत समन्वयक अनिल सिंह साव , नोडल प्राचार्य हरेकृष्ण बेहरा , संकुल समन्वयक वारिश कुमार ,जयंती लोहर सिंह जगत (सरपंच ग्राम पंचायत बड़ेटेमरी)ने हर्ष व्यक्त किया है। इस कार्यक्रम बद्रीप्रसाद पटेल(बड़ेटेमरी एस एम सी अध्यक्ष) मिथला जगत, सुशीला जगत,चांदनी पटेल, परमनमोती पटेल,सरिता साव,लोकेश साव,नरेश साव, मनराखन सोनवानी, उत्तम जगत, ललित साव, आरती साव,समुंद सिंह जगत, शलगम सिंह जगत,अशोक जगत,नरेश प्रधान,संतोष पटेल,रजनी पटेल, यामिनी पटेल,भोजराज साव, मिनकेतन साव,धनेश्वर जगत,नर्सिंग बाई जगत, संतोष पटेल , खीरसागर जगत जीतेंद्र दास, सेतलाल साव का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन का 20 वां प्रांतीय अधिवेशन दुर्ग में हुआ, प्रांतीय कार्यकारिणी का अनुमोदन

भिलाई (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन का 20 वां प्रांतीय अधिवेशन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के गरिमामय अवसर पर दुर्ग शहर में संपन्न हुआ, जिसमें संगठन के 400 से अधिक सदस्यों एवं विद्युतकर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रांताध्यक्ष सी के खांडे, अध्यक्ष नवनिर्वाचित प्रांताध्यक्ष अनिल द्विवेदी एवं अतिविशिष्ट अतिथि प्रांतीय महासचिव अजय बाबर रहे। कार्यकम में बतौर विशिष्ट अतिथि महेश श्रीवास, ए. जे. सिंह, डी के बिसेन, जे. पी. पटेल, एस एल धीवर, अवधेश साहू, हरिशंकर वर्मा एवं समयलाल राठौर मंचस्थ रहे। आमंत्रित अतिथि के तौर पर वेदराम निर्मलकर, रवि साइमन, टी पी गुप्ता, सुरेश खेड़कर, कपिल मोंगरे, श्रवण साहू ने भी शिरकत किया। दुर्ग क्षेत्र ने अधिवेशन की मेजबानी की, दुर्ग क्षेत्र के प्रांतीय

उपाध्यक्ष यतीश वर्मा मुख्य व्यवस्थापक रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों के कर कमलों से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, ततपश्चात आमंत्रित अतिथियों का फूलमाला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस प्रांतीय अधिवेशन में जनता यूनियन के प्रांतीय महासचिव अजय बाबर ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की औपचारिक घोषणा की तथा चयनित सूची अनुमोदन हेतु सभापटल के समक्ष पेश किया। सदस्यों ने ध्वनिमत से ताली बजाकर एवं नारे लगाकर प्रांतीय कार्यकारिणी का अनुमोदन किया। जनता यूनियन की नई प्रांतीय कार्यकारिणी में अनिल द्विवेदी (कोरबा) प्रांताध्यक्ष तथा अजय बाबर (धमतरी) प्रांतीय महासचिव नियुक्त हुए हैं। टीम के संरक्षक सी के खांडे, जे के श्रीवास्तव एवं टी टी जॉन होंगे। समिति में प्रांतीय उपाध्यक्ष अम्बिकापुर से जे पी पटेल, कोरबा से सम्मेलाल श्रीवास, बिलासपुर से पी वी चंद्रशेखर, दुर्ग से यतीश वर्मा, जगदलपुर से रामजीत सिंह, रायपुर से रीनापुरी गोस्वामी और योगेशरत्न मेश्राम मनोनीत हुए हैं। अवधेश साहू रायपुर को प्रांतीय संगठन मंत्री, यतींद्र गुप्ता अम्बिकापुर को प्रांतीय प्रचार सचिव, सोहनलाल धीवर धमतरी को प्रांतीय कोषाध्यक्ष, कान्हा लाल कौशिक रायपुर को कार्यालय मंत्री का दायित्व मिला है।

अन्य पदों में प्रांतीय सचिव सौरभ खम्परिया, मनमोहन सिन्हा, प्रदीप शर्मा, रितेश नागेश, अजय बसु, प्रवीण साहू, जॉर्ज के के, एच एल पटेल, रवि साइमन तथा संयुक्त सचिव ओ पी सिंह, रेणु ठाकुर, देवेंद्र निर्मलकर, अभिषेक चतुर्वेदी, टी पी गुप्ता, कुबेर दुबे, आई बी शेख, मानसिंह मंडावी को बनाया गया है। इस क्रम में संयुक्त संगठन सचिव के पद पर मुकेश साहू, गिरीश वर्मा, रवि चंद्राकर, भीषम सूर्यवंशी, संजय भुआर्य, संतोष यादव, उदय राठौर, के डी देवांगन, सप्तजीत ठाकुर तथा संयुक्त प्रचार सचिव के लिए रागिनी गुप्ता, ओमप्रकाश सूर्यवंशी, संदीप मेश्राम, अशोक वर्मा, टिकेश्वर ठाकुर, लोकेश श्रीवास, विजय मीनपाल का मनोनयन हुआ है। कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा आगामी माह कोरबा में होने वाली प्रांतीय बैठक में की जाएगी। कार्यकारिणी के अनुमोदन उपरांत निवर्तमान प्रांताध्यक्ष सी के खांडे ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल द्विवेदी को बधाई देते हुए संगठन का कार्यभार एवं नई टीम की कमान सौंपी तथा उन्हें प्रतीक चिन्ह, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट कर सफल और उत्तम कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। सभा को ए जे सिंह, महेश श्रीवास, डी के बिसेन, एस एल धीवर, यतींद्र गुप्ता, सम्मेलाल श्रीवास, सत्यजीत चौधरी, प्रदीप शर्मा, रितेश नागेश, रेणु ठाकुर, डी एल साहू, हरिशंकर वर्मा, पारसमणि साहू, वीरेंद्र पाठक, भीषम सूर्यवंशी आदि ने भी संबोधित किया।

खेतों से मोटर पंप और बिजली तार चोरी से परेशान किसान पहुंचे कलेक्टर जनदर्शन, कार्रवाई की मांग

पाटन (समय दर्शन)। पाटन ब्लॉक के ग्राम छोटे औरी के ग्रामीण और किसान लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से परेशान होकर जिला मुख्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन सौंपकर खेतों में हो रही मोटर पंप के कापर तार और बिजली के केबल तार की चोरी पर रोक लगाने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से गांव और आसपास के खेतों में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं। चोर बिजली के खंभों से तार काटकर ले जा रहे हैं और खेतों में लगे मोटर पंप के कापर तार और केबल भी चोरी कर ले रहे हैं। इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि इस समय खेतों में मक्का की फसल लगी हुई है और फसल की सिंचाई के लिए मोटर पंप की आवश्यकता होती है। लेकिन चोरी के कारण मोटर पंप बंद पड़े हैं, जिससे सिंचाई में परेशानी हो रही है और फसल को नुकसान होने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव और खेतों के आसपास पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और चोरी करने वालों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसानों की मेहनत से तैयार हो रही फसल बर्बाद हो सकती है।

संक्षिप्त-खबर

पाटन सहित दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट से निपटने कार्ययोजना बनाने के निर्देश

पाटन (समय दर्शन)। गर्मी की शुरुआत के साथ ही संभावित जल संकट को देखते हुए जिला पंचायत दुर्ग की सभापति नीलम राजेश चंद्राकार ने संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने पाटन सहित जिला दुर्ग के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या को गंभीरता से लेते हुए समय रहते प्रभावी व्यवस्था करने पर जोर दिया। बैठक के दौरान सभापति नीलम राजेश चंद्राकार ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से तांदुला जलाशय से पानी उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शुरुआती गर्मी में ही कई गांवों में जल स्तर कम होने लगता है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पाटन क्षेत्र सहित पूरे दुर्ग जिले के ग्रामीण इलाकों में जल संकट से निपटने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। साथ ही तांदुला से पानी उपलब्ध कराने की मांग को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक प्रक्रिया शुरू करने की बात कही। इस दौरान सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने जलाशय की वर्तमान स्थिति तथा पानी उपलब्ध कराने से संबंधित तकनीकी पहलुओं की जानकारी साझा की। सभापति ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या को दूर करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

पाटन ब्लाक के सभी गांव के तालाबो में निस्तारी के लिए तांदुला बांध से शीघ्र पानी छोड़ा जाय

पाटन (समय दर्शन)। मंडल अध्यक्ष व ग्राम पंचायत सेलुद सरपंच खिलेश मारकंडे ने तांदुला बांध से तांदुला नहर में छोडने की मांग करते हुए कहा कि खरीफ फसल धान की कटाई के बाद से अभी तक बीच में वर्षा नही होने की वजह से पाटन क्षेत्र के तालाबों में पानी का स्तर नीचे चला गया है। मार्च के शुरुआत महीने से गर्मी अधिक बढ गई है ऐसे स्थिति में क्षेत्र के लोग निस्तारी के पानी के लिए जूझ रहे है। पाटन क्षेत्र के लगभग 70 प्रतिशत गांवों के तालाबो का जल स्तर कम होने से निस्तारी करने लायक नहीं है मार्च के शुरुआत से ही विकराल गर्मी को देखते हुवे ऐसा लग रहा है कि शेष 30 प्रतिशत तालाब पखवाड़े भर में ही सुख जाएंगे ऐसे स्थिति को ध्यान में रखते हुए तांदुला बांध से तादुला नहरों के लिए शीघ्र पानी छोड़ा जाय ।मारकंडे ने कहा कि बढ़ते गर्मी के कारण विभिन्न गांव के तालाब का पानी भी सूखने लगा है ।बोर पंप के सहारे खेती कर रहे किसानो ने गर्मी फसल के रूप में अपने खेतों में धान ,गेहूं सहित अन्य फसल व बाड़ियों में विभिन्न प्रकार की सब्जियां लगाई है ।नहर पानी छोड़ने से जमीन के अंदर का भी जल स्तर बढेगा जिससे हैंडपंप बोर कुआं भी रीचार्ज होगा । जनमानस के हितो को ध्यान में रखकर तादुला नहर से पानी छोड़ा जाए ।ताकि ग्रामीणों को इस मार्च लगते ही गर्मी में राहत मिल सके।

सड़क किनारे लगे लोहे के गार्डर उखाड़े, खेत समतल कर की जा रही प्लाटिंग; शासकीय संपत्ति को नुकसान

पाटन (समय दर्शन)। गाड़ाडीह से जामगांव आर मार्ग पर पौहा नाला के पास सड़क किनारे लगे लोहे के गार्डर को उखाड़कर फेंक दिए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों द्वारा सड़क से लगे खेत को समतल कर प्लाटिंग की तैयारी की जा रही है, जिसके चलते सड़क सुरक्षा के लिए लगाए गए गार्डर को हटा दिया गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, लेकिन अब तक इस पर शासन-प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सड़क किनारे लगे गार्डर हट जाने से दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है, क्योंकि यह स्थान पौहा नाला के पास का क्षेत्र है। ग्रामीणों का आरोप है कि खेत को समतल कर प्लाटिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। लोक निर्माण विभाग की उदासीनता के कारण शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और सड़क सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और सड़क किनारे की सुरक्षा व्यवस्था को पुनः बहाल किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

सीआरसी में अंतरराष्ट्रीय श्रवण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव (समय दर्शन)। विश्व श्रवण दिवस प्रत्येक वर्ष 3 मार्च को विश्व स्तर पर मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य श्रवण हानि के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा कान और श्रवण स्वास्थ्य की देखभाल को बढ़ावा देना है। इसी संदर्भ में कम्पोजिट रीजनल सेंटर (सीआरसी), राजनांदगांव द्वारा 10 मार्च 2026 को लाभार्थियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ के बीच श्रवण स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कम्पोजिट रीजनल सेंटर (सीआरसी), राजनांदगांव, जो कि राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी), सिकंदराबाद के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत है, द्वारा अंतरराष्ट्रीय श्रवण दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और सहभागिता के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के परिचय के साथ हुआ, जिसके पश्चात सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का स्वागत श्रीमती स्मिता महोबिया,

निदेशक, सीआरसी राजनांदगांव द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथियों के रूप में डॉ. मिथलेश शर्मा (ईएनटी), डॉ. अश्विनी शेट्टी दिवाकर (ईएनटी), डॉ. राहुल सिंह चौहान (ईएनटी), डॉ. तुलावी (ईएनटी), डॉ. तृप्ति पंजवानी, अंकित राज व्यास तथा पद्मश्री डॉ. पुखराज बाफना, राजनांदगांव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान माननीय अतिथियों द्वारा प्रेरणादायक संबोधन दिया गया, जिसमें विश्व श्रवण दिवस के महत्व तथा कान एवं श्रवण स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों को समाज के प्रति उनके योगदान और कार्यक्रम में उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, सीआरसी की महिला स्टाफ सदस्यों को भी दिव्यांगजनों की सेवा में उनके समर्पण और संस्थान की प्रगति में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. तृप्ति पंजवानी द्वारा सामुदायिक स्तर से लेकर विद्यालय एवं कक्षा तक बच्चों के लिए श्रवण देखभाल सुनिश्चित करना विषय पर एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस व्याख्यान में श्रवण समस्याओं की शीघ्र पहचान, समय पर हस्तक्षेप, सामुदायिक जागरूकता तथा शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका पर विशेष बल दिया गया, जिससे श्रवण बाधित बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सहयोग मिल सके।

इस अवसर पर सीआरसी राजनांदगांव द्वारा सुश्री चुनमुन मोहंती (प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट) के मार्गदर्शन में सहायक उपकरणों का वितरण भी किया गया। कुल 5 लाभार्थियों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए, जिनमें 5 हियरिंग एड, 3 एलएस ब्रेस, 2 स्टिक तथा 1 ट्राइपॉड शामिल थे। इन उपकरणों का वितरण माननीय अतिथियों के करकमलों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में आए मरीजों, लाभार्थियों, अतिथियों एवं स्टाफ सदस्यों के लिए श्रीमती मुक्ता साहू द्वारा अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

पूरे कार्यक्रम का समन्वय प्रशांत मेश्राम द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री पल्लाना चंदिनी द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया, जिसमें सभी अतिथियों, सहयोगी संस्थाओं, स्टाफसदस्यों, विद्यार्थियों तथा लाभार्थियों के प्रति उनकी उपस्थिति और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

डंगनिया स्कूल के दो छात्रों का इंस्पायर अवार्ड मानक में चयन

थानखम्हरिया (समय दर्शन)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2025-26 के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डंगनिया के दो प्रतिभाशाली छात्रों का चयन होने से विद्यालय एवं क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। इस वर्ष विद्यालय से दो छात्रों का चयन होना एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

विद्यालय की छात्रा कु. सुमन साहू ने जल स्तर सूचक तथा छात्र अमर साहू ने अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित नवाचार मॉडल विकसित किया है। दोनों के मॉडलों का चयन जिला स्तरीय प्रदर्शनी के लिए किया गया है, जो विद्यालय के लिए गौरव की बात है।

छात्रों की इस उपलब्धि पर संकुल प्राचार्य बिजेराम साहू, संकुल समन्वयक राजू पटेल, विद्यालय के प्रधानपाठक नन्दकुमार मस्तके, विज्ञान शिक्षक संजय मनहरे, हाईस्कूल डंगनिया की व्याख्याता अर्चना नागवंशी, टेकूराम साहू एवं जयराम चंदेल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उल्लेखनीय है कि दोनों छात्र ग्राम पतोरा के निवासी हैं, जहां से पूर्व में भी कई विद्यार्थियों का इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के लिए चयन हो चुका है।

इस उपलब्धि पर ग्राम डंगनिया के सरपंच मदन वर्मा सहित ग्रामवासियों ने खुशी जताई। वहीं ग्राम पतोरा के सरपंच दिवाकर साहू, उपसरपंच हेमराज साहू, सामाजिक सचिव विनोद साहू, संतराम साहू, द्वारिका साहू, कृष्णा मंडल, नारायण साहू, राजेश साहू, सुखदेव साहू, नागेश्वर साहू, त्रिवेणी एवं संगीत साहू सहित साहू समाज के पदाधिकारियों ने बच्चों को गांव, समाज और विद्यालय का गौरव बताते हुए छात्र अमर साहू एवं उनके पालक डॉ. सुंदरलाल साहू तथा कु. सुमन साहू एवं उनके पिता गजानंद साहू को बधाई दी।

सभी ने इसे ग्राम और विद्यालय की बड़ी उपलब्धि बताते हुए दोनों छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

लंबित मांगों की निराकरण हेतु महासंघ के प्रतिनिधि मंडल पहुंचे मंत्रालय -प्रदेश अध्यक्ष

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ रायपुर एवं छत्तीसगढ़ धान खरीदी ऑपरेटर महासंघ रायपुर के संयुक्त तत्वाधान मे सहकारिता सचिव एवं पंजीयक सी आर प्रसन्ना से भेंट मुलाकात करने मंत्रालय पहुंचे हुए थे एवं आंदोलन के दौरान हुए कार्यवाही को शीघ्र शुन्य करते हुए सांवेतनिक बहाली एवं लंबित मांगों के संबंध में लिखित में मांग पत्र पुन:विषयों दिया गया।तत्पश्चात मार्क फेड प्राधिकृत शशिकांत द्विवेदी एवं ऐम डी जितेंद्र शुक्ला से भी भेंट मुलाकात करते हुए वर्तमान में धान उठाव एवं अन्य समस्याओं के संबंध में विस्तृत चर्चा किया गया।जिसमें दोनों संगठन के मुखिया महासचिव ईश्वर श्रीवास राजनांदगांव, उपाध्यक्ष रामलाल साहू गरियाबंद,संगठन मंत्री प्रमोद यादव गरियाबंद,सलाहकार बलदेव राम साहू धमतरी,प्रदेश अध्यक्ष ऑपरेटर संघ प्रदेश अध्यक्ष श्रीकांत मोहरे,प्रदेश महासचिव मोहन डायरिया बालोदा बाजार,संरक्षक संतोष साहू बालोद,अन्य प्रमुख पदाधिकारी प्रतिनिधि मंडल पहुंचे हुए थे। उक्त जानकारी नरेंद्र कुमार साहू प्रदेश अध्यक्ष ने दिया।

कमला कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया

राजनांदगांव (भारत भास्कर)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में आईक्यूएसी एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन दिनांक 09.03.2026 को सुश्री अंकिता शर्मा, पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव के आतिथ्य में किया गया।

सर्वप्रथम प्राचार्या डा. अंजली अवधिया ने अपने स्वागत उद्बोधन में उपस्थित समस्त छात्राओं एवं महिला प्राध्यापक-कर्मचारी को अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। यह दुनियाभर में नारीत्व के उत्सव की याद दिलाता है। आज का दिन उन महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने आर्थिक समाजिक, राजनीतिक एवं खेल के क्षेत्र में उपलब्धियां प्राप्त की है। इतिहास गवाह है कि नारी ने हमेशा से परिवार संचालन का उत्तरदायित्व संभालते हुये समाज निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मुख्य अतिथि, सुश्री अंकिता शर्मा, पुलिस अधीक्षक ने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने व आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि दृढ इच्छाशक्ति हो तो कोई भी काम मुश्किल नहीं होता एवं महिला-पुरूष में सिर्फ बायोलॉजीकल अंतर होता है, इसके अलावा महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूष से कमजोर नहीं है। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिलाओं का समाज में सम्मान होता है एवं घरेलू महिलाएं भी गृह उद्योग के कार्य जैसे आचार, पापड, बड़ी बनाना एवं सिलाई आदि कार्य करके आर्थिक रूप से परिवार को सहयोग प्रदान कर सकती है एवं आत्मनिर्भर हो सकती है।

कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुये डॉ. नीता एस. नायर ने कहा कि आज भी दुनियाभर में महिलाएं पुरूषों की तुलना में कम वेतन एवं अधिकार पाती है। अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस हमें याद दिलाती है कि प्रगति हुई है लेकिन मंजिल अभी दूर है।

उक्त कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. युगेश्वरी साहू, श्रीमती रामकुमारी धुर्वा, श्रीमती नीलम राम धनसाय, डॉ. मोना माखीजा उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आईक्यूएसी के प्रभारी डॉ. बसंत कुमार सोनबेर, मुख्य अतिथि, प्राचार्य, समस्त महिला प्राध्यापक एवं छात्राओं को महिला दिवस की शुभकामना देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

थाईलैंड भारत टेस्ट सीरीज बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए पुष्पेंद्र साहू- दीपशिखा साहू का चयन

महासमुंद (समय दर्शन)। भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के तत्वाधान में इनडो थाईलैंड महिला एवं पुरुष टेस्ट सीरीज का आयोजन दिनांक 10 से 16 मार्च तक बैंकॉक पटाया थाईलैंड में आयोजित किया गया हैं। इस प्रतियोगिता में महासमुन्द जिले से 2 खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन हुआ है। पुरुष वर्ग में पुष्पेंद्र साहू महिला वर्ग में दीपशिखा साहू शामिल होंगे। पिछले कई वर्षों से अपने खेल कौशल का अच्छा प्रदर्शन करते हुए दोनों ने भारतीय टीम में अपना स्थान बनाने में कामयाब हुए हैं। पुष्पेंद्र साहू पिता शिवनारायण साहू एवं दीपशिखा पिता प्रमोद साहू ने प्रदेश सह सचिव अंकित लूनिया के मार्गदर्शन में कई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता,

राष्ट्रीय प्रतियोगिता, ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी, सेंट्रल जोन, स्कूल एवं ओपन नेशनल खेल में शामिल हो चुके है साथ ही साथ भारतीय टीम के कोच के रूप में महासमुंद से नरेश चंद्रकर का चयन हुआ हैं। इससे पहले भी नरेश चंद्राकार ने अनेक राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रशिक्षक के रूप में छत्तीसगढ़ की टीम में शामिल हो चुके हैं। साउथ एशिया टेस्ट सीरीज में भी प्रशिक्षक के रूप में शामिल हो चुके हैं। पुष्पेंद्र साहू एवं दीपशिखा साहू व प्रशिक्षक नरेश चंद्रकर के थाईलैंड टेस्ट सीरीज में शामिल होने पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, जिला अध्यक्ष भाजपा येतराम साहू, बादल मक्कड, आनंद साहू, महेंद्र सिक्का, राहुल चंद्राकर, भारतीय बॉल बैडमिंटन संघ महासचिव वाई राजा राव, छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन कार्यकारी अध्यक्ष इसरार अहमद, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज कुमार धृतलहरे, समस्त जिला सचिव छत्तीसगढ़, प्रदेश सह सचिव एवं जिला सचिव अंकित लुनिया, मोबिन कुरैशी, राकेश थावाईत, रविंदर गुरुदत्ता, तारिणी चंद्राकर, सेवन दास मानिकपुरी, लोकेश चंद्राकर, दिलीप कुमार लहरें, प्रभात सेठ, राजेश शर्मा, विनय भारद्वाज, भूषण, गजेंद्र यादव, रमन सिंह ठाकुर, इमरान अली हैंडबॉल जिला सचिव,अभिषेक अंबिलकर, शुभम, कुंदन, लक्ष्मी, पंकज, मिनी स्टेडियम महासमुंद के खिलाड़ियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26